खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 15 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-132

यस 'सर' 30 से

तेलंगाना समेत 16 राज्यों में

नयी दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने गुरुवार को दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित देश के 16 राज्यों व तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम घोषित किया है। वैसे तो आयोग ने इन राज्यों को पहले से ही एसआईआर से जुड़ी तैयारी करने के निर्देश दिए थे। हालांकि, घोषित किए गए कार्यक्रम से हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व लद्दाख को अलग कर दिया है। इन तीनों ही राज्यों में मौसम की स्थिति को देखते हुए बाद में एसआईआर का कार्यक्रम घोषित होगा।

वहीं एसआईआर के तीसरे चरणों में शामिल सभी 19 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में इसे चरणबद्ध तरीके से कराने का फैसला लिया गया है। पहले चरण में घर-घर जाकर पुनरीक्षण का काम 30 मई से होगा।

आयोग ने इस बीच एसआईआर के तीसरे चरण के कार्यक्रम में जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया है, उनमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, नागालैंड, त्रिपुरा, दादर और नगर हवेली और दमन व दीव शामिल है। इनमें पंजाब, कर्नाटक, तेलंगाना व झारखंड राज्य ऐसे है जहां वर्तमान में विपक्षी दलों की सरकारें है।

आयोग के मुताबिक एसआईआर के इस चरण में इन सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में 3.94 लाख बीएलओ को तैनात किया गया है, जो 36.73 करोड़ मतदाताओं के घर-घर जांच करेंगे। इस मुहिम में राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्ति किए गए करीब 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) भी सहयोग करेंगे। आयोग ने इसके साथ ही सभी राजनीतिक दलों से प्रत्येक बूथ पर अपने बूथ लेवल एजेंट तैनात करने का अनुरोध किया गया, ताकि वह मतदाता सूची को पारदर्शी तरीके से तैयार करने में मदद दे सकें।

आयोग के मुताबिक तीसरे चरण के पूरा होने के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के अतिरिक्त देश के सभी राज्यों में एसआईआर का काम पूरा हो जाएगा। आयोग के मुताबिक एसआइआर को अलग-अलग चरण में कराने का यह फैसला जनगणना की चल रही हाउस लिस्टिंग में कॉमन फील्ड मशीनरी को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है। इस दौरान 2026 के अंत तक इन सभी राज्यों की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित हो जाएगी।

इस दौरान ओडिशा, सिक्किम, मिजोरम व मणिपुर में 6 सितंबर को सबसे पहले अंतिम की मतदाता सूची आएगी। वहीं त्रिपुरा में 23 दिसंबर को यह खत्म होगी। वहीं हरियाणा की 22 सितंबर को और पंजाब की एक अक्टूबर को आएगी। दिल्ली और झारखंड की सात अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची आएगी। गौरतलब है कि इससे पहले बिहार, उत्तर प्रदेश सहित 13 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर दो चरणों में हो चुका है।

जिनपिंग ने ट्रम्प से कहा

प्रतिद्वंद्वी नहीं, साझेदार बनें

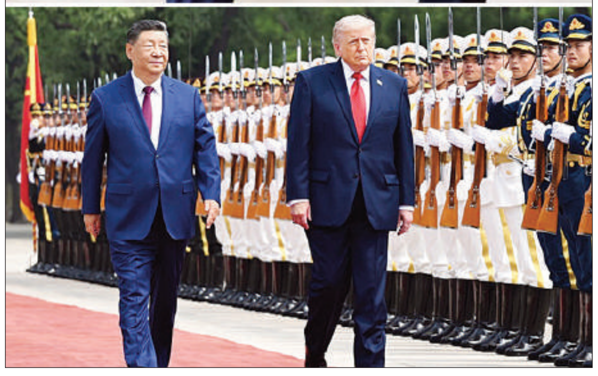

बीजिंग, 14 मई (एजेंसियां)।

डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। बीजिंग स्थित ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक के दौरान जिनपिंग ने ट्रम्प का औपचारिक स्वागत किया। ट्रम्प को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया।

करीब दो घंटे तक चली बैठक की शुरुआत में शी जिनपिंग ने कहा कि पूरी दुनिया इस मुलाकात पर नजर लगाए हुए है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका और चीन के रिश्ते विश्व स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार बनना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, बार-बार साबित हुआ है कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता। चीन-अमेरिका आर्थिक संबंधों का आधार आपसी लाभ और विन-विन सहयोग है। वहीं ट्रम्प ने जिनपिंग की सराहना करते हुए कहा, आपका दोस्त होना सम्मान की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से बेहतर होंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि वह दुनिया के कई बड़े कारोबारी नेताओं को अपने साथ चीन लेकर आए हैं।

9 लाख करोड़ की बोइंग डील पर टिकी दुनिया की नजर

इस दौरे की सबसे बड़ी चर्चा अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग से संभावित विमान खरीद समझौते को लेकर रही। रिपोर्ट्स के अनुसार चीन करीब 9 लाख करोड़ रुपए के विमानों की खरीद का बड़ा समझौता कर सकता है। यदि यह डील होती है, तो इसे दुनिया की सबसे बड़ी एविएशन डील्स में गिना जाएगा। बैठक में व्यापार, टैरिफ, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा हुई। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में बढ़े तनाव के कारण इस मुलाकात को बेहद अहम माना जा रहा है। स्टेट डिनर के दौरान ट्रम्प ने अमेरिका और चीन के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच लंबे समय से आपसी सम्मान की भावना रही है।

▶8पर

CEC चयन पर गंभीर सवाल

मंत्री-प्रधानमंत्री ही चुनते हैं तो विपक्ष के नेता का क्या काम

नयी दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (14 मई 2026) को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित चयन समिति में कैबिनेट मंत्री को शामिल किए जाने पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि कोई मंत्री निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्रधानमंत्री के खिलाफ नहीं जा सकता। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पैनल के स्ट्रक्चर पर चिंता व्यक्त की। वर्तमान में इसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा, अगर सरकार को ही फैसला करना है तो सिलेक्शन कमेटी में विपक्ष के नेता को रखकर स्वतंत्रता का दिखावा करने की जरूरत क्या है? एक मंत्री कभी भी अपने प्रधानमंत्री के फैसले के खिलाफ नहीं जाएगा, जिससे फैसला हमेशा 2:1 के बहुमत से सरकार के पक्ष में ही रहेगा।

कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के लिए नियुक्ति प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सीधे तौर पर लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को बनाए रखने से संबंधित है। अदालत ने आगे कहा कि यदि भारत के चीफ जस्टिस केंद्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया का हिस्सा हो सकते हैं तो मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक स्वतंत्र प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया जा सकता है?

मंत्री की जगह होना चाहिए कोई स्वतंत्र सदस्य

बार एंड बेंच के अनुसार, जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा, अगर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीबीआई की नियुक्ति में निष्पक्षता जरूरी है तो लोकतंत्र को बचाने और साफ-सुथरे चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में और भी ज्यादा पारदर्शिता होनी चाहिए। चयन समिति में तीसरा सदस्य सरकार का ही मंत्री क्यों होना चाहिए? इस कमेटी में सरकार के मंत्री की जगह कोई स्वतंत्र सदस्य होना चाहिए, ताकि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कोई सवाल न उठे।

लाइव लॉ के अनुसार याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए रिटायर आईएएस अधिकारी एस.एन. शुक्ला ने कोर्ट में अपनी बात रखते हुए न केवल चुनाव आयुक्तों को चुनने वाले नए कानून को चुनौती दी, बल्कि उस कानून के तहत हुई वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए।

अफवाहों से मची हलचल

15 रुपये तक महंगा पेट्रोल-डीजल?

नयी दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। जनता के बीच आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतों में बड़ा इजाफा हो सकता है। इसी डर के चलते कई राज्यों में लोग पैनिक बाइंग करते नजर आए और पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं। कई स्थानों पर नो फ्यूल, नो पेट्रोल और नो डीजल के बोर्ड भी दिखाई दिए।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, तेल विपणन कंपनियों पर बढ़ते दबाव और भारत के बढ़ते आयात बिल के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जल्द बढ़ोतरी संभव मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के कारण अब तक कीमतों में बड़ा बदलाव नहीं किया गया था। हालांकि अब 15 मई के बाद कीमतों में 5 से 20 रुपये प्रति लीटर तक वृद्धि की अटकलें तेज हो गई हैं।

देशव्यापी ग्राउंड रिपोर्ट में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, बिहार, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 16 पेट्रोल पंपों की स्थिति का जायजा लिया गया, जहां कई जगहों पर सामान्य दिनों की तुलना में असामान्य भीड़ देखने को मिली। लोग अपनी गाड़ियों की टंकियां पूरी तरह भरवाते नजर आए।

▶8पर

होर्मुज में भारतीय जहाज 'हाजी अली' पर ड्रोन हमला

धमाके के बाद डूबा कार्गो शिप, सभी 14 नाविक सुरक्षित

अहमदाबाद/ नयी दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में भारत के एक मालवाहक जहाज पर बड़ा हमला हुआ है। 'हाजी अली' नामक भारतीय जहाज पर ओमान के समुद्री तट के पास ड्रोन अथवा मिसाइल से हमला किया गया, जिसके बाद जहाज समुद्र में डूब गया। यह घटना ईरान युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय जहाज पर हुए चुनिंदा हमलों में शामिल मानी जा रही है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किसने किया। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया है। ▶8पर

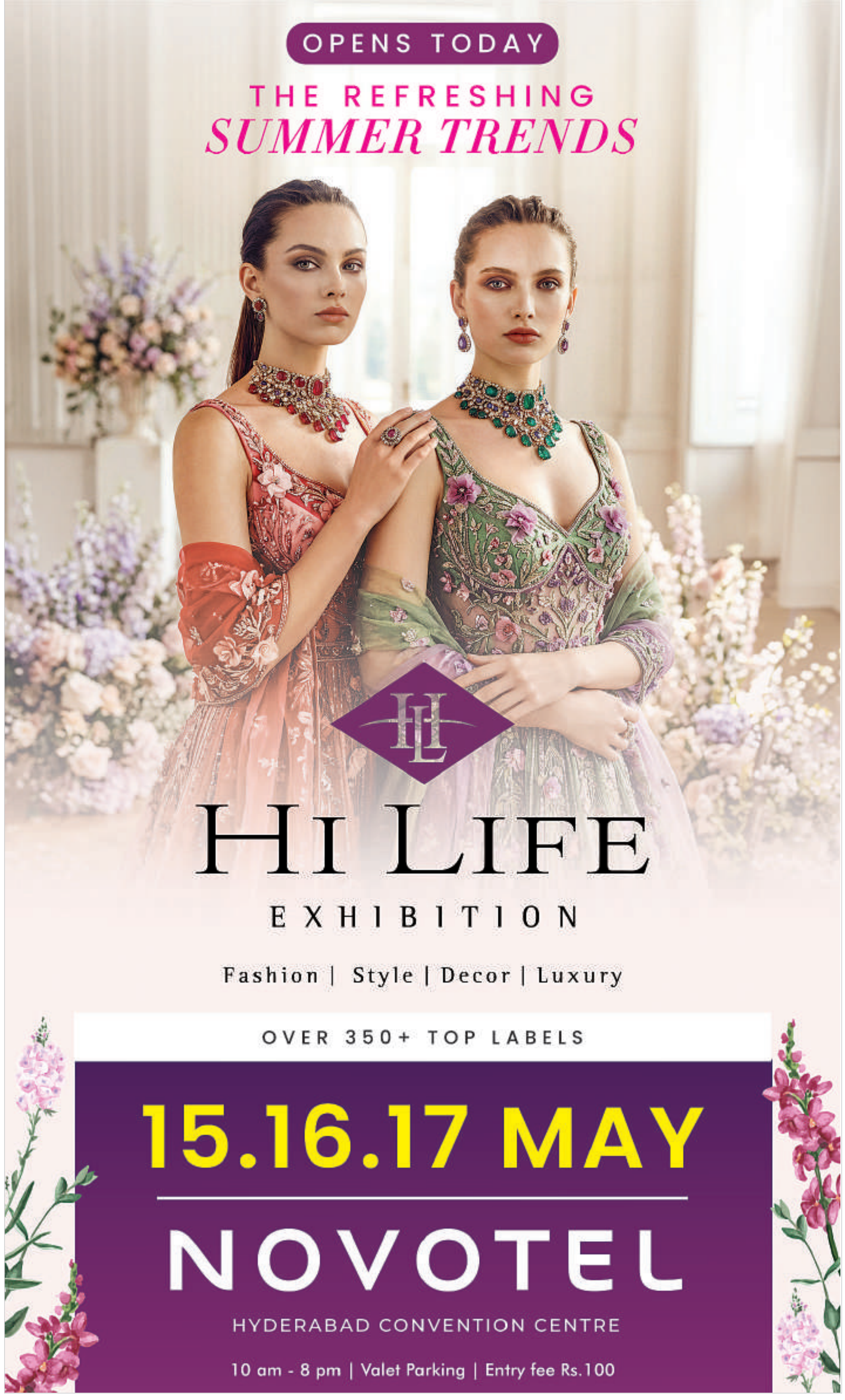

कांग्रेस ने किया नाम का ऐलान

सतीशन केरल के सीएम

नयी दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

वीडी सतीशन केरल के अगले मुख्यमंत्री होंगे। कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को उनके नाम पर अंतिम मुहर लगा दी। केरल की एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की। सतीशन के चयन के साथ ही यह साफ हो गया कि कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर हो गए हैं। गौरतलब है कि केरल विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को अन्य चार राज्यों के साथ घोषित किए गए थे। अन्य राज्यों में मुख्यमंत्री पद की घोषणा और शपथ ग्रहण भी हो चुका था, लेकिन केरल में कांग्रेस 10 दिनों तक मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति नहीं बना पाई थी। मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के भीतर काफी खींचतान चल रही थी। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में वीडी सतीशन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला प्रमुख दावेदार माने जा रहे थे।

▶8पर

केजरी को राहत भी बड़ा झटका भी

शराब मामले से अलग हुई जस्टिस स्वर्णकांता

नयी दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एक नए कानूनी संकट में घिरते नजर आ रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत ने आबकारी नीति मामले से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक बयानों को लेकर आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू करने के आदेश दिए हैं। जिन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई प्रारंभ की गई है उनमें अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और विनय मिश्रा शामिल हैं। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया इन नेताओं की गतिविधियां आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आती हैं। कोर्ट के अनुसार यह कार्रवाई न्यायिक प्रक्रिया की रक्षा और न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

अपने विस्तृत आदेश में अदालत ने कहा कि न्यायपालिका के निर्णयों की निष्पक्ष आलोचना अवमानना नहीं मानी जाती, लेकिन अदालतों के खिलाफ सुनियोजित अभियान चलाना तथा जनता के बीच न्यायपालिका के प्रति अविश्वास पैदा करना गंभीर विषय है। ▶8पर

रूस ने यूक्रेन पर किया ड्रोन और मिसाइल हमला, 14 की मौत

कीव (यूक्रेन)

रूस ने पूरे यूक्रेन में बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमला किया है। रूस ने बुधवार सुबह से आधीरात बाद तक ताबड़तोड़ हमला कर तबाही मचा दी। इन हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक नागरिक घायल हो गए। राजधानी कीव में रूस के हमले से एक आवासीय इमारत ढह गई। इस इमारत के मलबे में दबे 10 लोगों को बचाया गया। एक व्यक्ति की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। रात लगभग एक बजे यूक्रेन की वायुसेना ने देशव्यापी हवाई अलर्ट जारी किया। इसमें चेतावनी दी गई कि रूस ने मिग-31 बमवर्षक विमानों को तैनात कर दिया है। देश का हर क्षेत्र बैलिस्टिक मिसाइल हमलों की जद में है।

द कीव इंडिपेंडेंट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख टिमुर टकाचेंको ने कुछ देर बाद चेतावनी दी क रूसी ड्रोन राजधानी की ओर बढ़ रहे हैं और मिसाइल हमले भी संभावित खतरा हैं। स्थानीय समयानुसार तड़के 3:08 बजे कीव में जोरदार धमाके हुए। यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणालियां रूसी ड्रोन से जूझती नजर आईं। 3:15 बजे से 3:20 बजे के बीच बैलिस्टिक मिसाइल के हमलों से होने वाले धमाकों की आवाज सुनी गई। इसके कुछ देरबाद लगभग 3:44 बजे फिर बैलिस्टिक मिसाइलों ने गरजना शुरू कर दिया।

कीव के मेयर विटाली क्लिट्को ने बताया कि गिरे हुए ड्रोन के मलबे से निप्रोव्स्की जिले में एक पांचमंजिला आवासीय इमारत की छत पर आग लग गई और होलोसीव्स्की जिले में एक सड़क पर मलबा गिर गया। ड्रोन का मलबा एक कार्यालय की इमारत और एक पार्किंग संरचना पर गिरा। ओबोलोन्स्की जिले में एक 12 मंजिला आवासीय इमारत पर ड्रोन का मलबा गिरने के बाद उसमें आग लग गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एक निर्माणाधीन 25 मंजिला इमारत पर भी हमला किया गया सोलोम्यांस्की जिले में रूसी ड्रोन के मलबे से एक कार में आग लग गई।

रूस की सेना ने 13 मई की दोपहर यूक्रेन के जरूरी और आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर बड़ा हमला किया। इस हमले के कई चरणों में कम से कम 800 ड्रोन से कई शहरों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। इसके बाद रूस ने आधीरात बाद फिर हमले किए। रूस के ड्रोन हमलों पर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चेतावनी दी थी कि रूस मिसाइल हमले भी कर सकता है। यूक्रेन की मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसी एचयूआर ने पहले ही राष्ट्रपति को आगाह किया था कि रूसी सेना बड़ी संख्या में हवा और समुद्र से छोड़ी जाने वाली क्रूज मिसाइलों, साथ ही बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले जारी रखने की योजना बना रही है।

न्यूज ब्रीफ

बलोचिस्तान में बीएलए के हमले में पाकिस्तानी सेना के 8 सैनिक मारे गए, 7 लड़ाकों की भी मौत

इस्लामाबाद। बलोचिस्तान प्रांत में पाकिस्तान सेना के काफिले पर बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बड़ा हमला किया है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) का दावा है कि उसने पाकिस्तान सेना के मेजर समेत कम-से-कम 8 सैनिकों को मार गिराया। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा अंतर-सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि मेजर समेत 5 जवानों की मौत हुई और इस दौरान कम-से-कम 7 लड़ाकों को ढेर कर दिया गया। बीएलए ने भी अपने 7 लड़ाकों की मौत की पुष्टि की है। बीएलए ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए प्रवक्ता जियंद बलूच ने मीडिया को भेजे बयान में कहा कि लड़ाकों ने बुधवार को चामलंग के बाला डाक में पाकिस्तान की सेना के काफिले पर सुनियोजित हमला किया। सबसे पहले रिमोट कंट्रोल से सेना के एक वाहन को उड़ा दिया गया। इसके बाद गोलीबारी की गई। गोलीबारी में पाकिस्तान की सेना के मेजर तोफ सुमायत समेत 8 सैन्यकर्मी मारे गए। इस दौरान नुश्की के पास शेख वासिल की चौकी पर हुए हमले में पाकिस्तान की सेना को नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान की सेना के जनसंपर्क विभाग (आईएसपीआर) ने कहा है कि खुफिया आधारित अभियान के दौरान भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें 7 विद्रोही मारे गए।

ब्रिटेन में भारतीय ट्रांसजेंडर छात्र बना स्कॉटलैंड का सांसद, ब्रिटेन में दो फाड़ होती राजनीति के आ रहे परिणाम

लंदन। ब्रिटेन से हाल के दिनों में सामने आई दो विपरीत खबरों ने वैश्विक राजनीति और

सामाजिक ढांचे को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। इस नीतिगत बदलाव का सबसे सुखद परिणाम भारतीय छात्र क्यू मणिवन्नन की जीत के रूप में सामने आया है। मूल रूप से तमिलनाडु के रहने वाले मणिवन्नन यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट ऐंड्रूज से पीएचडी कर रहे थे। स्कॉटिश ग्रीन्स पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर उन्होंने न केवल जीत दर्ज की, बल्कि छात्र वीजा पर रहते हुए सांसद बनने वाले पहले भारतीय और ट्रांसजेंडर प्रतिनिधि बनकर इतिहास रच दिया। मणिवन्नन की यह जीत जहां एक वर्ग के लिए लोकतंत्र की जीत है, वहीं दूसरा वर्ग इसे लेकर सवाल उठा रहा है। ब्रिटेन की जमीन पर उपजी ये दो अलग-अलग धाराएं भविष्य की अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। एक तरफ इंग्लैंड में प्रवासियों के प्रति स्थानीय लोगों का गुस्सा चरम पर पहुंच रहा है, तो दूसरी तरफ स्कॉटलैंड ने समावेशी लोकतंत्र की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। ये दोनों ही घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि आने वाले समय में पहचान की राजनीति और प्रवास वैश्विक विमर्श के सबसे संवेदनशील मुद्दे बनने वाले हैं। इंग्लैंड में हाल ही में संपन्न हुए स्थानीय परिषद चुनावों के परिणामों ने राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया है। सत्ताधारी लेबर पार्टी को इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह रही कि मुख्य विपक्षी दल कंजरवेटिव पार्टी को भी इसका सीधा लाभ नहीं मिला।

बांग्लादेश का गंगा प्रोजेक्ट, बढ़ाएगा भारत की मुश्किलें, गंगा नदी पर 2.1 किमी लंबा बैराज बना रहा ढाका

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने देश के गहराते जल संकट को दूर करने के लिए 2.8 अरब डॉलर की एक विशाल नदी परियोजना को औपचारिक मंजूरी दे दी है। इस ऐतिहासिक कदम का मुख्य उद्देश्य पद्मा नदी (गंगा का विस्तार) पर 2.1 किलोमीटर लंबा बैराज बनाना है, जिसकी जल भंडारण क्षमता 2.9 अरब घन मीटर होगी। बांग्लादेश लंबे समय से अपने जल संकट के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता रहा है और अब इस संकट के समाधान के लिए उसने चीन की ओर हाथ बढ़ाया है, जिससे दक्षिण एशिया के समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। फरवरी 2026 में हुए आम चुनावों के बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार ने तीस्ता नदी प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना के लिए चीन से तकनीकी और वित्तीय सहयोग मांगा है। हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की, जहां चीन ने इस परियोजना के लिए 1 अरब डॉलर की मदद देने और इसे बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत लागू करने का आश्वासन दिया।

नेपाल के विपक्षी दल संसद में 8 अध्यादेशों को अस्वीकृत करेंगे

काठमांडू

नेपाल के विपक्षी दलों द्वारा आठों अध्यादेशों को अस्वीकृत करने संबंधी सूचना संघीय संसद के दोनों सदनों में दर्ज कराए जाने के बाद सत्तापक्ष कानूनी और राजनीतिक दबाव में आ गया है। सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेशों को राष्ट्रीय सभा से विफल कराने की रणनीति के तहत विपक्षी दलों ने यह कदम उठाया है। बुधवार को सीपीएन-यूएमएल ने आठ, नेकपा ने चार और नेपाली कांग्रेस ने दो अध्यादेशों को अस्वीकार करने की सूचना दर्ज कराई।

अध्यादेश अस्वीकृत होने पर भी प्रधान न्यायाधीश की सिफारिश और रद्द की गई नियुक्तियां वापस नहीं होंगी। हालांकि, नई नियुक्तियां पुराने कानून के अनुसार ही होंगी। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अध्यादेश निष्क्रिय हो जाते हैं तो प्रतिनिधि सभा में लगभग दो-तिहाई बहुमत रखने वाली रास्वपा भी राष्ट्रीय सभा में अपनी शून्य उपस्थिति के कारण मनमानी नहीं कर सकेगी।

नेपाल के संविधान की धारा 114 की उपधारा 2 के खंड 'क' के अनुसार सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेशों को संघीय संसद के दोनों सदनों से स्वीकृति मिलना आवश्यक है। यदि किसी एक सदन ने भी अस्वीकार कर दिया तो अध्यादेश स्वत: निष्क्रिय हो जाएगा। संविधान में कहा गया है, 'अध्यादेश जारी होने के बाद संघीय संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाएगा और यदि दोनों सदनों से स्वीकृति नहीं मिली तो वह स्वत: निष्क्रिय हो जाएगा।'

यदि अध्यादेश निष्क्रिय हो जाते हैं तो अध्यादेशों के माध्यम से संशोधित कानूनी प्रावधान फिर पुराने स्वरूप में लौट आएंगे। प्रतिनिधि सभा में सत्तारूढ़ रास्वपा के मजबूत बहुमत के कारण वहां अध्यादेश आसानी से पारित हो सकते हैं लेकिन राष्ट्रीय सभा में उसकी उपस्थिति नहीं होने से विपक्षी दल वहीं से उन्हें अस्वीकार कराने की रणनीति अपना रहे हैं।

राष्ट्रीय सभा से स्वीकृत अध्यादेशों पर ही सरकार 60 दिनों के भीतर प्रतिस्थापन विधेयक लाने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकती है। अस्वीकृत अध्यादेशों के मामले में उन्हीं प्रावधानों को लागू करने के लिए नया विधेयक लाना पड़ेगा। यदि ऐसा नहीं किया गया तो सर्वोच्च अदालत के स्थापित नजीरों के अनुसार पुराने कानून फिर प्रभावी हो जाएंगे। सामान्य विधायी प्रक्रिया से आने वाले विधेयकों के मामले में सरकार को अध्यादेशों की तरह दोनों सदनों से अनिवार्य स्वीकृति लेने की बाध्यता नहीं होती। राष्ट्रीय सभा द्वारा संशोधन विधेयक अस्वीकार किए जाने पर भी प्रतिनिधि सभा से दोबारा पारित होने के बाद उन्हें प्रमाणीकरण के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जा सकता है।

सरकार द्वारा लाए गए आठ अध्यादेशों को सामूहिक रूप से अस्वीकार किया जाए या कुछ को चुनकर, इस विषय पर कांग्रेस, एमाले और नेकपा के बीच अभी तक साझा सहमति नहीं बन सकी है। कांग्रेस ने केवल संवैधानिक परिषद और कुछ नेपाल कानून संशोधन संबंधी अध्यादेशों को अस्वीकार करने की सूचना दर्ज कराई है।

राष्ट्रीय सभा में कांग्रेस संसदीय दल की नेता कमला पन्त, सचेतक पदम परियार सहित उपस्थित सभी सांसदों के हस्ताक्षर से बृहस्पतिवार को यह सूचना दर्ज की गई। उधर, एमाले सांसदों ने आठों अध्यादेशों को अस्वीकार करने की सूचना दर्ज कराई है, जबकि नेकपा ने केवल चार अध्यादेशों के खिलाफ सूचना दी है।

सरकार ने पहले से आहूत संघीय संसद के दोनों अधिवेशन स्थगित कर संवैधानिक परिषद, सार्वजनिक पदाधिकारियों की पदमुक्ति, सार्वजनिक खरीद, सहकारी, विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान, संपत्ति शुद्धीकरण तथा कुछ नेपाल कानूनों में संशोधन संबंधी अध्यादेश जारी किए थे। एमाले का मानना है कि पहले से बुलाए गए संसद अधिवेशन को स्थगित कर अध्यादेश लाना प्रक्रियागत रूप से गंभीर त्रुटि है, इसलिए सभी अध्यादेशों को अस्वीकार किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सभा में एमाले संसदीय दल के नेता प्रेम प्रसाद दंगाल ने कहा कि सहकारी, सार्वजनिक खरीद और संपत्ति शुद्धीकरण अध्यादेशों पर लचीलापन दिखाया जा सकता है लेकिन प्रक्रियागत त्रुटि के कारण सभी को एक साथ अस्वीकार करने की सोच के तहत सूचना दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा, 'इस बीच हम अन्य दलों के साथ साझा धारणा बनाने की कोशिश करेंगे। यदि सहमति नहीं बनी तो कुछ मामलों पर विचार किया जा सकता है। गंभीर प्रकृति वाले सभी अध्यादेशों को अस्वीकार करेंगे और इस विषय में तीनों दल एक साथ रहेंगे।' राष्ट्रीय सभा में नेकपा संसदीय दल के नेता झक्कु प्रसाद सुवेदी के अनुसार संवैधानिक परिषद, कुछ नेपाल कानून संशोधन, सार्वजनिक पदाधिकारियों की पदमुक्ति और विश्वविद्यालय संबंधी अध्यादेशों को अस्वीकार करने की सूचना दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि तीनों दल साझा धारणा बनाकर आगे बढ़ेंगे। विपक्षी दलों ने अलग-अलग तरीके से सूचना दर्ज कराई है, लेकिन संवैधानिक परिषद और कुछ नेपाल कानून संशोधन संबंधी अध्यादेशों को लेकर तीनों प्रमुख दलों के बीच समान राय बन चुकी है। कांग्रेस संसदीय दल की नेता कमला पन्त ने बताया कि अन्य अध्यादेशों पर भी चर्चा कर एक साझा दृष्टिकोण बनाने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि केवल तीन बड़े दल ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्रीय जनमोर्चा, जसपा नेपाल और लोसपा को भी सहमति में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

दक्षिण कोरिया की मिसाइल ने बढ़ाई चीन, अमेरिका की टेंशन

सियोल

प्रशांत महासागर के रणनीतिक जलक्षेत्र में अमेरिका और चीन के बीच जारी वर्चस्व की जंग अब आसमान के उस छोर पर पहुंच गई है, जहां जीत का फैसला मिसाइलों की रफ्तार और अचूक मारक क्षमता से होगा। इसी महाशक्ति संघर्ष के बीच दक्षिण कोरिया ने अपनी रक्षा कंपनी हनवा एयरोस्पेस के माध्यम से एक ऐसा दांव चला है, जिसने वैश्विक रक्षा विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है। दक्षिण कोरिया द्वारा विकसित की जा रही लॉन्ग रेंज एयर टू एयर मिसाइल केवल एक हथियार नहीं, बल्कि उस एशियाई चक्रव्यूह का जवाब है जिसने अब तक पश्चिमी तकनीक पर निर्भरता बनाए रखी थी।

हनवा एयरोस्पेस की यह मिसाइल दक्षिण कोरिया के स्वदेशी लड़ाकू विमान केएफ-21 बोरामे को एक अजेय शक्ति प्रदान करेगी। इसे अक्सर कोरियन मीटियर कहा जा रहा है, क्योंकि इसका उद्देश्य यूरोपीय मीटियर मिसाइलों पर निर्भरता को खत्म करना है। इस मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत इसका डक्टेड रैमजेट प्रोपल्शन सिस्टम है। पारंपरिक रॉकेटों के विपरीत, यह इंजन उड़ान के दौरान वायुमंडल से ऑक्सीजन खींचकर ईंधन जलाता है, जिससे ऑक्सीडाइजर ले जाने की जरूरत नहीं पड़ती और मिसाइल हल्की होने के बावजूद लंबी दूरी तय कर पाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस मिसाइल की मारक क्षमता 200 किलोमीटर से अधिक होने का अनुमान है, जो इसे दुनिया की सबसे घातक बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलों की श्रेणी में शामिल करती है। रैमजेट तकनीक की बदौलत यह मिसाइल मैक 4 (ध्वनि से चार गुना तेज) की रफ्तार से दुश्मन के विमानों को तबाह कर सकती है।

इस विकास के रणनीतिक निहितार्थ बहुत गहरे हैं। पहला, दक्षिण कोरिया अब मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। दूसरा, स्वदेशी हथियारों से लैस होने के बाद केएफ-21 लड़ाकू विमान के निर्यात की राह आसान हो जाएगी, क्योंकि इसके लिए अब किसी तीसरे देश की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही, हनवा एयरोस्पेस के उत्पादों की लागत पश्चिमी देशों के मुकाबले 20 से 30 प्रतिशत कम होने के कारण यह वैश्विक बाजार में एक मजबूत प्रतिस्पर्धी के रूप में उभरेगा। जब यह मिसाइल पूरी तरह तैनात होगी, तो इसकी गूंज न केवल सियोल में, बल्कि बीजिंग के सैन्य गलियारों और पेंटागन के रणनीतिक नक्शों पर भी साफ सुनाई देगी।

विरोध प्रदर्शन

कराची में अपने परिजनों की तत्काल रिहाई को लेकर बैनर के साथ प्रदर्शन करती हुई महिलाएं। इनके परिजन को एक तेल टैंकर से सोमालिया समुद्री डकैतों ने अगुआ कर लिया था।

पाकिस्तान ने स्वदेशी विकसित फतह-4 क्रूज मिसाइल सिस्टम का परीक्षण किया

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की नवगठित आर्मी रॉकेट फोर्स कमान ने देश की स्वदेशी विकसित फतह-4 ग्राउंड-लॉन्च क्रूज मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया, यह सेना की मीडिया विंग ने गुरुवार को कहा।

सैन्य प्रवक्ता इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस हथियार प्रणाली को ''उन्नत एवियोनिक्स और अत्याधुनिक नेविगेशन सहायकों से लैस'' किया गया था और यह ''उच्च सटीकता के साथ दीर्घ-परास के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम'' है।

''युद्धक दक्षता बढ़ाने और बेहतर सटीकता तथा बढ़ी हुई जीवित क्षमता के लिए शामिल विभिन्न उप-प्रणालियों के तकनीकी मापदंडों की पुष्टि करने के लिए यह प्रशिक्षण प्रक्षेपण किया गया,'' इसमें आगे कहा गया।

इस मिसाइल की परिचालन रेंज 750 किमी तक है, और इसमें रडार से बचने के लिए कम रडार हस्ताक्षर की विशेषता है।

बयान के अनुसार, आर्मी रॉकेट कमान फोर्स के वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही इसके विकास में पीछे रहे इंजीनियर, परीक्षण प्रक्षेपण के दौरान मौजूद थे।

डॉन के अनुसार, इस प्रक्षेपण में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, नेवल स्टाफ के प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ, और एयर चीफ मार्शल जाहिर अहमद बाबर सिद्धू शामिल थे, जिन्होंने सभी ने ''फतह-खत के सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण की सराहना की और ऋ-सीरीज मिसाइल के सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण में योगदान देने वाले सभी लोगों की तकनीकी कुशलता, समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की।''

देश के गृह मंत्रालय ने भी फतह खत टीम को बधाई दी, और मिसाइल विकास को ''रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति'' कहा।

यह विकास आर्मी रॉकेट फोर्स कमान द्वारा स्वदेशी विकसित फतह-खख मिसाइल सिस्टम के सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण के तीन हफ्ते से भी कम समय बाद आता है।

हालांकि अप्रयुक्त रहीं, पाकिस्तान ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के खिलाफ अपनी फतह 1 और 2 वेरिएंट का उपयोग किया था, लेकिन कम सफलता मिली, क्योंकि मिसाइल सिस्टम को जल्दी निष्प्रभावी कर दिया गया था।

ईरान को चीनी हथियारों की गुप्त सप्लाई से मचा हड़कंप

ट्रंप की बीजिंग यात्रा के बीच अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीजिंग यात्रा और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी महत्वपूर्ण मुलाकात से ठीक पहले एक गोपनीय अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उबाल ला दिया है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन की कुछ कंपनियां तीसरे देशों के रास्ते ईरान तक घातक हथियार पहुंचाने की गुप्त योजना पर काम कर रही हैं। वॉशिंगटन के गलियारों में चर्चा है कि यह खुलासा ट्रंप के चीन दौरे के बीच अमेरिका के लिए एक बड़ा रणनीतिक झटका साबित हो सकता है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, चीनी कंपनियां इस बात पर विचार कर रही थीं कि हथियारों की खेप को सीधे चीन से भेजने के बजाय किसी अन्य देश के माध्यम से रूट किया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और सीधे आरोपों से बचा जा सके। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर मतभेद हैं कि हथियारों की वास्तविक सप्लाई शुरू हो चुकी है या यह केवल बातचीत के स्तर पर है। फिर भी, इस संभावना ने अमेरिका की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि उसे डर है कि ईरान सीजफायर की आड़ में अपनी सैन्य शक्ति को दोबारा संगठित करने के लिए चीन की परोक्ष मदद ले रहा है। अमेरिकी रणनीतिकारों का मानना है कि इतनी संवेदनशील हथियार डील बीजिंग के शीर्ष नेतृत्व की जानकारी के बिना संभव नहीं है। इससे पहले अप्रैल में भी ऐसी खबरें आई थीं कि चीन ने ईरान को पोर्टेबल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (मैनपैड्स) उपलब्ध कराई थीं, जो ड्रोन और हेलिकॉप्टर गिराने में सक्षम हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने इस रिपोर्ट पर फिलहाल सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ईरान के मामले में अमेरिका को किसी की मदद की जरूरत नहीं है और वे अपने तरीके से जीत हासिल करेंगे। ट्रंप ने यह संकेत दिया कि उनके इस दौरे का मुख्य केंद्र व्यापारिक समझौते ही रहेंगे। इस बीच, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ मजबूत करना दुनिया के लिए सिरदर्द बना हुआ है। वैश्विक तेल आपूर्ति के इस मुख्य मार्ग पर नियंत्रण के जरिए ईरान न केवल सैन्य बल्कि अपनी आर्थिक ताकत भी बढ़ाने में जुटा है। ईरान ने इराक और पाकिस्तान के साथ तेल परिवहन को लेकर नए समझौते किए हैं, जिससे उसे अपने तेल कारोबार से दोगुनी कमाई की उम्मीद है। फिलहाल मध्य-पूर्व में लागू सीजफायर बेहद नाजुक स्थिति में है। अमेरिका जहां ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज पर उसके प्रभुत्व को खत्म करना चाहता है, वहीं ईरान प्रतिबंधों को हटाने की मांग पर अड़ा है। ऐसे में चीन दौरे के बीच आए इस नए खुलासे ने अमेरिका, चीन और ईरान के त्रिकोणीय समीकरणों को और अधिक जटिल और तनावपूर्ण बना दिया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज मन प्रसन्न रहेगा उदासी दूर रहेगी.आप खुशहाल महसूस करेंगे कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतो को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा. बच्चों का रवैया भी आप के अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य बहतर रहेगा , तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आय के स्रोत बढेंगे रुका हुआ धन वापस आएगा और अचानक कहीं से धन लाभ होगा. जिससे आर्थिक पक्ष में मजबूती आयेगी. आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे. आपको पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. आपका पढ़ाई में मन लगेगा. साथ ही नये कोर्स को ज्वाइन करने के लिए भी दिन शुभ है. सफलता जरूर मिलेगी. कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ धन लाभ होगा आप कलाप्रेमी है तो आप के गुण और कला की तारीफ होगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज सुबह उठते ही कुछ अच्छी खबर सुनने को मिलेगी एवं आप अपने आपमे बहुत गर्व महसूस करेंगे आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है. आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा जिंदगी की एहमियत का एहसास होगा. आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे. बच्चों के साथ आपका दिन मजेदार गुजरेगा.कोई नया टेंशन मत आने देना हैं काम को समझदारी से सुलझाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन जरुर थोड़ा व्यस्तता मे बीतेगा सामाजिक तौर पर नयी चुनौती सामने होगी इसलिए आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ेगा जो दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करें. आप एक टीम के रुप मे काम करें चुनौतीया दूर रहेगी एवं विरोधी पस्त होंगे आपको लोगों से सराहना और सहयोग मिलने के संकेत है आपको अपने लोगों से या अपनी टीम से सम्मान मिल सकता है. दाम्पत्य जीवन मजेदार रहेगा एक नयी उर्जा रहेगी

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिनमान आपके लिए उतार–चढ़ाव से भरा रहेगा. खर्चों में एकदम से तेजी आएगी जो शाम तक आपको परेशान कर सकती है लेकिन धैर्य रखने से बात बनेगी. खर्चों पर नियंत्रण रखें. बेवजह की बातों को दिमाग से ना लगाएं. किसी से झगड़ा ना करें. दांपत्य जीवन खुशनुमा रहेगा. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों को भी राहत की सांस मिलेगी. एक–दूसरे से बातचीत होगी और जो लंबे समय से रुकी हुई बातें थी, वो अब होने लगेंगी. आपका दिल खुश हो जाएगा. काम के सिलसिले में दिनमान अच्छा है.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. इस राशि के छोटे बच्चे आज पढ़ाई में अधिक रूचि लेंगे. इससे माता–पिता बहुत खुश रहेंगे. जो लोग अविवाहित हैं, उनके लिए आज का दिन शुभ है. विवाह के लिए प्रस्ताव आयेगा. आज पुरे दिन परिवार का माहौल आनन्दमय बना रहेगा. स्वास्थ्य आज पहले से बढ़िया रहेगा. आपकी कोई खास इच्छा आज जरूर पूरी होगी. लवमेट के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा. कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतों को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सामाजिक और राजनीति गतिविधियों मे समय गुजरेगा आप की जान पहचान भी बढेगी आपको जो आपको सम्मान दिला सकता है. कुछ ऐसे काम जो आपकी इमेज को एक नया रंग दे सकते हैं, उन्हें करने की कोशिश करें. कुछ नया शुरू करने या नई जिम्मेदारी मिलने का दिन है. आपको अपने कार्यक्षेत्र में विशेष पहचान मिलेगी. आपकी सलाह लोगों के लिए बहुत मददगार हो सकती है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज दिन कुछ कमजोर गुजरेगा . परिवार में किसी बात को लेकर खींचातानी हो सकती है जिसकी वजह से आप को थोड़ी परेशानी भी होगी लेकिन कोशिश करने से समाधान निकल जाएगा और समस्याएं दूर होंगी. गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा. रिश्ते में रोमांस भी रहेगा और एक दूसरे के प्रति आकर्षण की भावना भी बढ़ेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा. आप अपनी बात कहने में सक्षम होंगे. यात्रा का योग बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धार्मिक ग्रंथों का पठन और श्रवण करेंगे मंदिर मे देव प्रतिमा को अपने हाथों से श्रृंगार करेंगे संतान सुख की प्राप्ति होगी. परिवार के सुख–सौभाग्य में वृद्धि होगी. ऑफिस में आज किसी से बहस होने की संभावना है. आपको इससे बचकर रहने की जरूरत है. कोई जरूरी केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा. ऐग्रिकल्चर मे निवेश आपको धन लाभ देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

महनत अच्छा परिणाम देगी शतप्रतिशत फल मिलेगा आय में वृद्धि होगी. जिस काम की आपको उम्मीद थी, आपको उसका परिणाम बहुत अच्छा मिलेगा. आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए. पारिवारिक कलह होगी इसलिए थोड़ा–सा वाणी पर संयम रखें. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपको नवग्रह शान्ति करानी चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज ऑफिस मे ओवरटाइम करना पडेगा.जिससे पारिवारिक तनाव बनेगा आप काम के दबाव से परेशान रह सकते हैं. करियर के मामलों में इस बात का विशेष रुप से ध्यान रखें. नकारात्मक लोगों और चीजों से दूर रहें. आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय ले सकते हैं गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा सूर्य को रक्त पुष्प और गंध युक्त जल अर्पण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 मई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 08:34 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 08:15 तक
योग : आयुष्मान दोपहर 02:20 तक
करण : वणिज प्रात: 08:34 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : वृषभ संक्रांति प्रात: 06:20 से , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर 12:45 तक , मासिक शिवरात्रि व्रत , गण्डमूल रात्रि 08:15 तक , भद्रा प्रात: 08:34 से रात्रि 06:56 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री शांतिनाथ भगवान जन्म एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव भव्यता से संपन्न

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर श्री शांतिनाथ भगवान के जन्म एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर काचीगुड़ा स्थित जैन मंदिर में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूज्य साध्वी तत्त्व पूर्ण श्रीजी महाराज साहिबा आदि ठाणा की पावन निश्रा में संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों एवं पूजा–अर्चना के पश्चात भगवान की भव्य पालकी शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा बरकतपुरा जैन मंदिर से प्रारंभ होकर क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः जैन मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

शोभायात्रा बरकतपुरा जैन मंदिर से प्रारंभ होकर लिंगमपल्ली चौराहा, भूमन्ना लाइन, सूर्य भगवान मंदिर, उत्तरादि मठ एवं राघवेंद्र स्वामी मंदिर, कर्नाटक साहित्य मंदिर, नृपतुंगा कॉलेज होते हुए जैन मंदिर पहुंची।

मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा भगवान की पालकी का भव्य स्वागत किया गया। भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में समाजजन शोभायात्रा में शामिल हुए।

इस भव्य आयोजन में जैन समाज के प्रतिष्ठित गुरुजनों के साथ–साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के लाभार्थी मातुश्री प्यारीबाई मोहनलाल वाडीलाल तथा दीपक–रोशन खरगांधी परिवार, फर्म वैभव ज्वेलर्स, शिवम रोड रहे।

महोत्सव में ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पूर्व फ्लोर लीडर दिद्दी रामबाबू ने भी विशेष रूप से भाग लिया और मंदिर में आयोजित पूजा–अर्चना में सम्मिलित होकर श्री शांतिनाथ भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

समाज के वरिष्ठ नेताओं एवं जैन समाज के प्रमुख व्यक्तियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में हिमांग मोमाया, जयेश नागड़ा, विपुल गाला, सिद्धार्थ जैन, प्रवीण कारानी, योगेश झबक, अतुल सायला, अभय शाह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा तथा अंत में शोभायात्रा पुनः जैन मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।

प्रभाकर और श्रीहरि बीसी गुरुकुल के विद्यार्थी को प्रतिभा पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के हैदराबाद में बंजारा हिल्स स्थित कोमाराम भीम भवन में पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण विभाग के तत्वावधान में वर्ग के गुरुकुलों और कल्याण छात्रावासों के मेधावी छात्रों को 'प्रतिभा पुरस्कार' (उत्कृष्टता पुरस्कार) प्रदान किए गये। तेलंगाना के बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और खेल मंत्री वी श्रीहरि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर श्री श्रीहरि ने शिक्षा के महत्व पर ज़ोर दिया और कहा कि विद्यार्थियों को इस सूक्ति का अर्थ समझना चाहिए, विद्या ददाति विनयं, विनयाद्याति पात्रताम्, जिसका अर्थ है कि शिक्षा विनम्रता प्रदान करती है और व्यक्तियों को महानता की ओर ले जाती है।

उन्होंने नेल्सन मंडेला और महात्मा ज्योतिराव फुले जैसे नेताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षा में समाज को बदलने और लोगों को उत्पीड़न से मुक्त कराने की शक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से ''तेलंगाना राइजिंग'' का हिस्सा बनने का आग्रह किया और कहा कि शिक्षा समाज के किसी विशेष वर्ग का एकाधिकार नहीं है।

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि सरकार गुरुकुलों में सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध करा रही है और आशा व्यक्त की कि ये संस्थान 100 प्रतिशत उत्तीर्ण दर हासिल करेंगे। मंत्री ने कहा कि पिछड़े वर्गों को सभी क्षेत्रों में नेअग्रणी रूप में उभरना चाहिए।

एचएमएस ने एमसीसी सीमेंट संयंत्र के अधिग्रहण व श्रमिक बकाया भुगतान की मांग की

मंचेरियाल, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल सीमेंट कंपनी (एमसीसी) की रियल एस्टेट साजिशों को रोका जाना चाहिए और राज्य सरकार को संयंत्र का अधिग्रहण करके संचालन करना चाहिए: एचएमएस की मांग। पिछले कुछ दिनों से मंचेरियाल की औद्योगिक विरासत का प्रतीक मंचेरियाल सीमेंट कंपनी (पूर्व में एसीसी) के भविष्य को लेकर सामने आ रही खबरों ने जिले के श्रमिकों, बेर–ोजगार युवाओं और आम जनता के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। इस संदर्भ में, हिंद मजदूर सभा (एचएमएस) जिला समिति राज्य सरकार, जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रही है। एचएमएस ने प्रमुख मांग रखते हुए कहा कि अचल संपत्ति संबंधी साजिशों को रोका जाना चाहिए। सरकार को तत्काल लगभग 438 एकड़ औद्योगिक भूमि का अचल संपत्ति व्यवसायों के लिए उपयोग करने की साजिशों को रोकना चाहिए, जिससे जानबूझकर कंपनी को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

इन जमीनों पर किसी भी प्रकार की योजना, परियोजना या वाणिज्यिक अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। राज्य सरकार को इस संयंत्र का संचालन अपने हाथ में लेना चाहिए।

एचएमएस के अनुसार, मंचेरियाल जिले में हजारों परिवारों को रोजगार प्रदान करने वाले इस उद्योग को बचाने के लिए राज्य सरकार को विशेष पहल करनी चाहिए और संयंत्र को अपने नियंत्रण में लेकर सरकारी देखरेख में पुनः शुरू करना चाहिए। उद्योग के पुनरुद्धार से स्थानीय युवाओं को व्यापक रोजगार प्राप्त होगा।

एचएमएस ने यह भी मांग की कि श्रमिकों का बकाया तुरंत चुकाया जाना चाहिए।

कई परिवार गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं क्योंकि अतीत में इस उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के वेतन, पीएफ, ग्रेच्युटी आदि का भुगतान नहीं हुआ है।

इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास राधे-राधे ग्रुप का अन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास कवर पार्क पर नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया तथा मानव सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप निरंतर सेवा, सहयोग और मानवता के कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का कार्य कर रहा है। ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाकर समाज में भाईचारे और सेवा भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमा डालमिया, उमाकांत जी गुप्ता एवं उर्मिला गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने राधे–राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज में जरूरतमंद लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होते हैं।

किनवट के एस.वी.एम. कॉलोनी में छत्रपति संभाजी महाराज की 369वीं जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। प्रारंभ में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने छत्रपति संभाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें अभिवादन किया। इस अवसर पर मराठा सेवा संघ के तहसील अध्यक्ष प्रो दगडू भरकड़ ने स्वराज्य रक्षक छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर विस्तार से मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि छत्रपती संभाजी महाराज दूसरे छत्रपति और शिवाजी महाराज के पुत्र थे। वे पराक्रमी योद्धा और संस्कृती के अभ्यासक थे और औरंगजेब से 9 वर्षों तक संघर्ष करके स्वराज्य को टिकाए रखा। उनके बलिदान और साहस के कारण उन्हें इतिहास में शंभू छावा के नाम से अमर माना जाता है।

पेद्दापल्ली एमपी ने चाय की दुकान चलाने वाली बुज़ुर्ग महिला को सम्मानित किया

पेद्दापल्ली, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के एमपी गड्डम वामसीकृष्णा ने पेड्डापल्ली में एक चाय की दुकान पर जाकर दुकान चलाने वाली एक बुज़ुर्ग महिला को सम्मानित किया।

पेद्दापल्ली शहर में एक छोटी सी चाय की दुकान पर गए पेद्दापल्ली के एमपी गड्डम वामसीकृष्णा ने उस महिला से गर्मजोशी से मुलाकात की जो अपने पैरों पर खड़ी थी और उसे शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

उन्होंने उसे लकड़ी या गैस स्टोव के बजाय इलेक्ट्रिक स्टोव पर चाय बनाने के लिए बधाई दी, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम हुआ।

गैस की कमी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, स्मोक–फ्री पॉलिसी चुनने और पर्यावरण की रक्षा करने के लिए उसे शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने वहां उसकी बनाई चाय का आनंद लिया।

इस मौके पर, उन्होंने उसके साथ एक सेल्फी भी ली और आत्मनिर्भरता के साथ जीने के उसके तरीके की तारीफ़ की।

पेद्दापल्ली के एमपी गड्डम वामसीकृष्णा ने कहा कि उम्र की परवाह किए बिना टेक्नोलॉजी में बदलाव अपनाना समाज के लिए एक आदर्श है और ग्रामीण इलाकों में ऐसे बदलावों की ज़रूरत है।

चिक्कडपल्ली प्रभाग के नवनियुक्त सहायक पुलिस आयुक्त रणवीर रेड्डी के पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में प्रीतम, दीपक (ऋतु), नरेश, किशन, विक्की सिंह, विशाल, जगमीत सिंह, अभिमन्यु सहित अन्य उपस्थित जनों ने रणवीर रेड्डी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

पुलिस ने पीएमजे ज्वैलरी शॉप डकैती में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया

मंचेरियाल, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीमनगर पुलिस ने इस साल 3 मई को हुई सनसनीखेज पीएमजे ज्वैलरी शॉप डकैती में शामिल अंतरराज्यीय डकैती गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

डकैती में शामिल 13 आरोपियों में से दो मुख्य आरोपियों सहित तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी व्यक्ति रघुनाथ कर्मकार उर्फ जगीरा सिंह, रविश कुमार और उसका सहायक महताब खान हैं। रघुनाथ और महताब पश्चिम बंगाल के आसनसोल के रहने वाले हैं। रविश कुमार बिहार के नालंदा से हैं। आरोपियों के पास से पुलिस ने 51,000 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड और फर्जी

आधार कार्ड बरामद किए हैं। गिरोह का सरगना सुबोध सिंह पूर्णिया जेल में है। वहीं अन्य आरोपित राधे मिश्रा, मशा, और सूर्यमणि कुमार फरार बताए गए हैं।

गुरुवार को मीडिया के सामने आरोपियों को पेश करते हुए पुलिस आयुक्त गौश आलम ने गिरोह के तौर–तरीकों के बारे में विस्तार से बताया।

जियागुड़ा में पेयजल संकट गहराया

पूर्व पार्षद बोहिनी दर्शन व मधिरा सत्यनारायण ने जल बोर्ड को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जियागुड़ा में पिछले कई महीनों से पेयजल आपूर्ति में कम दबाव और अनियमित जल वितरण की समस्या को लेकर जियागुड़ा की पूर्व पार्षद बोहिनी दर्शन एवं नव भारत संगम के पूर्व अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने हैदराबाद मेट्रो वाटर वर्क्स एंड सीवरेज बोर्ड के प्रबंध निदेशक श्री के. अशोक रेड्डी तथा निदेशक वी. विनोद भार्गव, खैरताबाद को एक ज्ञापन सौंपा।

गुरुवार, 14 मई 2026 को प्रातः 11.00 बजे सौंपे गए इस ज्ञापन में जियागुड़ा की विभिन्न बस्तियों में कम दबाव के साथ पेयजल आपूर्ति होने से लोगों को हो रही भारी परेशानियों का उल्लेख किया गया।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद बोहिनी दर्शन ने कहा कि पिछले तीन महीनों से जियागुड़ा मंडल की सभी बस्तियों में अत्यंत कम दबाव के साथ पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे पानी छोड़ा जाना निर्धारित है, लेकिन वर्तमान में जलापूर्ति रात 8 बजे के बाद

की जा रही है, जिससे स्थानीय नागरिकों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जियागुड़ा क्षेत्र को अल्लाबंदा जलाशय से प्रतिदिन पेयजल उपलब्ध कराया जाता है, किंतु मंगलहाट और पुरानापूल क्षेत्रों में लगे वाल्वों से कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से पानी निकालकर अन्य क्षेत्रों में मोड़े जाने के कारण जयगुड़ा मंडल में जल संकट और अधिक बढ़ गया है। बोहिनी दर्शन ने कहा कि कई बस्तियों में कम दबाव के कारण पेयजल प्रदूषित होकर लोगों तक पहुंच रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी उत्पन्न हो रहे हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ये उपाय बचाते हैं किसी बुरी नजर या टोने-टोटकों के अशुभ प्रभाव से

अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भगवान श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित करें और सुबह उठकर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद अपने द्वार, देहली व सीढी आदि पर पानी का छिडकाव करें। ऐसा करने से टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडता। नीम, बबूल या आम में से किसी पेड की टहनी पत्तियों सहित मुख्य दरवाजे पर लटकाएं।

घर सुखी तो मन सुखी, मन सुखी तो तन सुखी। पर कभी कभी हमें हमारे घर को लगता है ना जाने किसकी नजर लग गई होती है सब बुरा ही होने लगता है । क्या आपको लगता है कि किसी ने आपके घर पर टोना-टोटका किया है जिसके कारण आपके परिवार पर इसका अशुभ प्रभाव पड रहा है तो हम आपको बता रहे हैं टोने-टोटको से बचने के साधारण व अचूक उपाय। इन उपायों को करने से आपके घर व परिवार पर किसी टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडेगा। यह उपाय इस प्रकार हैं- अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भगवान श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित करें और सुबह उठकर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद अपने द्वार, देहली व सीढी आदि पर पानी का छिडकाव करें। ऐसा करने से टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पडता। नीम, बबूल या आम में से किसी पेड की टहनी पत्तियों सहित मुख्य दरवाजे पर लटकाएं। शनिवार के दिन सात हरी मिर्च के बीच एक नींबू काले धागे में पिरोकर मुख्य द्वार पर लटकाएं। इससे भी बुरी नजर नहीं लगेगी। सप्ताह के किसी एक दिन घर की साफ-सफाई करने के बाद एक बाल्टी पानी में थोडी शक्कर और दूध डालकर कुश से उसका छिडकाव पूरे घर में करें। आखिर में शेष पानी को दरवाजे के दोनों और थोडा-थोडा डाल दें। अमावस के दिन एक ब्राहमण को भोजन अवश्य कराएं। इससे आपके पितर प्रसन्न होंगे और आपके घर व परिवार को टोने-टोटको के अशुभ प्रभाव से बचाएंगे। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनके घर में पैसों का आगमन बिल्कुल कम होता है। उस घर के सदस्य कमाते तो बहुत हैं लेकिन घर में पैसा नहीं आ पाता। दूसरे कामों में ही खर्च हो जाता है। अगर ऐसा हो तो ऐसा करने से घर में पैसों का आगमन होगा और सुख-शांति भी बनी रहेगी। शुक्ल पक्ष के बुधवार की शाम को किसी केले के पौधे के समीप जाएं। उस पर जल चढाएं। हल्दी से तिलक करें और गुरु बृहस्पति का ध्यान कर पौधे से अगले दिन (गुरुवार को) थोडी सी जड ले जाने की आज्ञा मांगें। दूसरे दिन सूर्य निकलने पर स्नान कर केले के पेड की पूजा करें और लकडी के एक टुकडे से पौधे की जड खोदकर निकाल लें और घर ले आएं। इस जड को गंगाजल से धोकर केसर के जल में डाल दें।

घी का दीपक जलाकर ऊँ बृं बृहस्पते नम: मंत्र की एक माला का जप करें और उस जड को जल से निकालकर पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें। इसके बाद प्रति गुरुवार को उस जड को केसर घुले गंगाजल में स्नान कराकर पुन: उस पीले कपडे में बांध कर इस मंत्र का जप करें और पुन: तिजोरी में रखें। जब भी ऐसा करें जरुरतमंदों को दान दें व बच्चों को मिठाई अवश्य खिलाएं। इस तरह आपके घर में धन का आगमन होने लगेगा।

अगर नौक्री से जुडी समस्या हो तो शनिवार को हनुमानजी के मंदिर में जाकर सवा किलो मोतीचूर के लड्डुओं का भोग लगाएं। घी का दीपक जलाएं और मंदिर में ही बैठकर लाल चंदन की या मूंगा की माला से 108 बार नीचे लिखे मंत्र का जप करें-

कवन सो काज कठिन जग माही।
जो नहीं होय तात तुम पाहिं।।

इसके बाद 40 दिनों तक रोज अपने घर के मंदिर में इस मंत्र का जप 108 बार करें। 40 दिनों के अंदर ही आपको रोजगार मिलेगा। शनैश्चरी अमावस्या के दिन एक कागजी नींबू लें और शाम के समय उसके चार टुकडे करके किसी चौराहे पर चारों दिशाओं में फेंक दें। इसके प्रभाव से भी जल्दी बेरोजगारी की समस्या दूर हो जाएगी। मंगलवार से प्रारंभ करते हुए 40 दिनों तक रोज सुबह के समय नंगे पैर हनुमानजी के मंदिर में जाएं और उन्हें लाल गुलाब के फूल चढाएं। ऐसा करने से भी शीघ्र ही रोजगार मिलता है। इंटरव्यू में जाने से पहले लाल चंदन की माला से नीचे लिखे मंत्र का 11 बार जप करें-

ऊँ वक्रतुण्डाय हुं

जप से पूर्व भगवान गणेश की पूजा करें और गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करते हुए दूध से अभिषेक करें। इस से हर बाधा हो जाएगी दूर सुबह उठकर नहाकर साफ पीले कपडे पहनें। इसके बाद आसन बिछाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं और 7 हल्दी की साबूत गांठे, 7 जनेऊ, 7 पूजा की छोटी सुपारी, 7 पीले फूल व 7 छोटी गुड की ढेली एक पीले रंग के कपडे में बांध लें। अब भगवान सूर्य का स्मरण करें और अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना करें। यह पोटली घर में कहीं ऐसी जगह रख दें जहां कोई और उसे हाथ न लगाए। जब आपका कार्य हो जाए तो यह पोटली किसी नदी या तालाब में प्रवाहित कर दें।

ये 8 उपाय करने पर भगवान शिव होंगे प्रसन्न

भगवान शिव को भोलेनाथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह जल्द प्रसन्न हो जाते हैं। यदि पूरी आस्था से शिव का ध्यान किया जाए तो वह शिवभक्तों की पुकार जरूर सुनते हैं। इसके लिए भगवान शिव की पूजा करने से पहले आप कुछ उपाय आजमा सकते हैं।

इन सभी उपायों का उल्लेख शिवमहापुराण में मिलता है।

1.भगवान शिव को अक्षत यानी चावल अर्पित करें। इसके साथ तिल अर्पित करने से भी वह जल्द प्रसन्न हो जाते हैं।

2.भगवान शिव को लाल और सफेद फूल बहुत प्रिय है। इसलिए शिव पूजा में इन्हीं रंगों के फूलों का शामिल करें।

3.शिवपुराण के अनुसार यदि शमी के वृक्ष के पत्तों से शिव पूजा करने से मोक्ष मिल सकता है।

4.इनके अलावा जूही, कनेर बेला के फूलों से भी पूजन करना चाहिए।

5.प्रत्येक सोमवार और सावन माह में 21 बिल्वपत्रों पर चंदन से 'ऊं नम: शिवाय' लिखकर शिवलिंग पर चढाएं। इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

6.यदि विवाह में देर हो रही हो तो सावन में रोज शिवलिंग पर केसर मिला हुआ दूध चढाएं। इससे जल्दी ही आपके विवाह योग बनेंगे।

7.भगवान शिव को जौ अर्पित करने से सुख में वृद्धि होती है। भगवान शिव को गेंहू चढाने से संतान वृद्धि होती है।

यदि शादी में मुश्किलें आ रही हो तो करें ये उपाय

कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनकी शादी में काफी मुश्किलें आती हैं। कई बार तो यह लोग काफी निराश हो जाते हैं। लेकिन उन्हें निराश होने की कोई जरुरत नहीं है , पूर्णिमा के अवसर पर यदि वे नीचे लिखे उपाय विधि-विधान से करेंगे तो न सिर्फउनका विवाह जल्दी होगा बल्कि उन्हें मनचाहा जीवन साथी भी मिलेगा।

उपाय— गरीबों को अपने सामर्थ्य के अनुसार पीले फ्ल जैसे- आम, केला आदि का दान करें। इस दिन नया पीला रुमाल अपने साथ में रखें। भगवान विष्णु के मंदिर में जाकर बेसन के लड्डू चढाएं। लड्डू के साथ सेहरे की कलगी भी चढाएं। यह शीघ्र विवाह का अचूक उपाय है। केल (केले के पेड) की पूजा करें। इस दिन भोजन में केसर का उपयोग करें व केसर का तिलक लगाएं। जरुरतमंदों को पीले वस्त्रों का दान करें।

गुरु बृहस्पति के मंदिर में जाएं। उन्हें पीली मिठाई, फल, फूल व वस्त्र अर्पण करें। एक किलो चने की दाल के साथ सोने का कोई आभूषण दान करें। यदि लडके की शादी नहीं हो रही है तो ब्राहमण को दान करें और यदि लडकी की शादी नहीं हो रही है तो किसी कन्या को दान करें। इसके अलावा जल्दी होगी आपकी शादी इन उपायों उपायों से। सोमवार का दिन भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। इस दिन नीचे लिखा उपाय करने से आपके विवाह में आ रही बाधाएं नष्ट हो जाएंगी। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नित्य कर्मों से निवृत्त होकर भगवान शंकर के मंदिर जाएं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करें तथा शिवलिंग पर 108 आंकडे के फूल चढ़ाएं हुए ऊँ नम: शिवाय: मंत्र का जप करते रहें। इसके बाद 21 बिल्व पत्र चढाएं और भगवान शंकर से शीघ्र विवाह के लिए प्रार्थना करें। शुभ मुहूर्त में किया गया यह उपाय जल्दी ही आपकी समस्या का निदान करेगा।

वास्तु टिप्स: जानिये वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिये ऑफिस

अगर आप खुद का व्यवसाय करना चाहते हैं लेकिन समझ में नहीं आ रहा है कि वहां का वास्तु कैसा हो, तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। हर किसी का सपना होता है कि वह अपने बिजनेस से अधिक से अधिक मुनाफा कमाए लेकिन सभी की यह मनोकामनाएं पूरी नहीं हो पाती।

अगर आपके ऑफिस में मालिक के बैठने का सही स्थान या फिर रिसेप्शन की लोकेशन कहां होनी चाहिये जैसी महत्वपूर्ण जानकारी पता चल जाए तो समझलिये कि आप दिन दूनी रात चौगनी तरक्की करेंगे।

तो देर मत कीजिये और पढिये वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिये आपका ऑफिस। ऑफिस के मालिक के बैठने की जगह: ऑफिस के मालिक के बैठने का स्थान दक्षिण पश्चिम कोने में होना चाहिए और बैठते समय उत्तर की तरफका सामना करना चाहिए।

वास्तु टिप्स के अनुसार ये चीजे ना रखें अपने घर में

कोई बाधा नहीं होनी चाहिये:

कार्यालय का प्रवेश द्वार बिल्कुल सीधा होना चाहिये। वहां कोई ऐसी चीज ना रखी हो जो आपको सीधे घुसने से रोक रही हो। मतलब ऑफिस का एंट्रेंस बिल्कुल साफऔर सीधा हो।

सेंटर हमेशा खाली रखें:

ऑफिस स्पेस या काम करने की जगह का सेंटर खाली रखें। अगर आप क्यूबिकल में बैठते हैं तो, उसके सेंटर में गोला बनाएं और उसमें मौजूद कोई भी चीज का प्रयोग ना करें।

रिसेप्शन की लोकेशन:

अगर आप बिजनेस चला रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि रिसेप्शन उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित हो। जब रिसेप्शनिस्ट कस्टमर या क्लायंट से बात करे तो, उसका मुख उत्तरी या पूर्वी दिशा में होना चाहिये। ऐसा करने से नए अवसर प्राप्त होते हैं।

पानी की शक्ति का प्रयोग:

ऑफिस में बहता हुआ पानी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। आप अपने ऑफिस के अंदर फाउंटेन आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इसे ऑफिस के उत्तरी या पूर्वी कोने में रखना चाहिये, जहां ये अधिक से अधिक लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचे। आप चाहें तो ब्लैकफिश और 9 गोल्डफिश वाला एक्वेरियम भी रख सकते हैं।

कहां होन चाहिये अकाउंट्स डिपार्टमेंट:

इसे कार्यालय के दक्षिण पूर्वी भाग में बनाना चाहिये। यह दिशा समृद्धि दिलाता है और अधिक रिर्टन को आकर्षित करता है। इस दिशा में है कि समृद्धि के लिए खडा है और जब लेखा विभाग वहाँ रखा जाता है, यह अधिक रिर्टन को आकर्षित करने में सक्षम हो जाएगा।

बुद्धि संसार की सबसे बडी शक्ति है

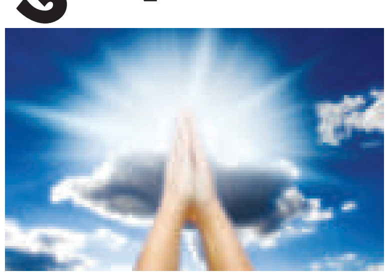

किसी अच्छाई या बुराई का मानदंड मूढ के लिए केवल दूसरों द्वारा उसे अच्छा या बुरा कह देना मात्र होता है। इनमें विवेक और बुद्धि का अभाव होता है।

बुद्धि संसार की सबसे बडी शक्ति है। जिसके पास बुद्धि है, उसके लिए सृष्टि का कोई भी कार्य ऐसा नहीं जिसे वह न कर सकता हो। अकारण दूसरों को हानि पहुंचाने और निंदा करने में दुर्जन आनंद पाते हैं। मूर्ख होने के कारण दंड के अभाव में वे भले लोगों के लिए संकट बन जाते हैं। मनस्वी एक बार जो बात स्वीकार लेते हैं, उससे संकट में भी विचलित नहीं होते। पर्वतीय नदी की धारा की तरह वे एक बार आगे बढ जाने पर पीछे मुडना नहीं जानते।तेजस्वी का तेज प्रतिकूल परिस्थितियों में और अधिक उदीप्त होता है। लक्ष्य महान होने के कारण अपने से शक्तिहीन लोगों पर तेज नहीं प्रकट किया जाता। तेजस्वी के सामने अन्याय नहीं टिकता। तेजस्विता जन्मजात होने से किसी समय प्रभाव दिखा देती है। प्राणान्त होने पर सम्मान बचाते हैं। एक बार कार्य स्वीकार कर लेने पर उसे पूरा करके ही मानते हैं।दयालु और कारुणिक होने से दूसरे के दुख को देखकर इनका हदय पिघल जाता है। इन्हें धन, जीवन का कोई मोह नहीं होता, केवल अपने यश और मान की चिंता रहती है। अपने द्वार से किसी को खाली हाथ लौटाने को महापुरुष मृत्यु से बढकर मानते हैं। संकट और प्रतिकूलताएं उन्हें विचलित नहीं करतीं। परमसिद्ध की साधना से निकली वाणी सत्य की तरह होती है। क्रोध महाविनाशक और करुणा महान उपकारक होती है। जहां इनके चरण पडते हैं, वह स्थान तीर्थ सा पावन हो जाता है। अन्याय करने वाले के समर्पण पर क्षमा कर देते हैं। सज्जन सद्गुणों के अवतार होते हैं। सरल, सौम्य रहते हैं। दूसरे संत के होने की दशा में दूसरे द्वारा किए गए अपमान से स्वयं को बचाना ही तेज है। महापुरुष धीर और परोपकारी होते हैं। मित्रों के प्रति सच्चे, ईमानदार होने के कारण अपना स्वार्थ त्यागकर मित्र के कार्य को प्राथमिकता देते हैं। कृतज्ञ, शरणागत-वत्सल भेदरहित रहकर किसी के आगे हाथ नहीं फैलाते। आवश्यक होने पर किसी मध्यस्थ को रखकर अभ्यर्थना के पूर्ण न बढते तप, तेज और महत्व को देखकर प्रसन्न होते हैं। कुछ विद्वान अपने विषय के दूसरे विद्वानों के बढते हुए आधार को सहन नहीं कर पाते। गुणवान अपना आत्म-सम्मान बचाते हैं।

पंचक में मृत्यु, भय का विषय नहीं

पंचक का नाम सुनते ही सनातन धर्म को मानने वाले,वैदिक ज्योतिष के समर्थक सतर्क हो जाते हैं। उस पर उनके परिवार में कोई बीमार हो, बचने की उम्मीद न हो तो वह भगवान से यही मनाते हैं कि-हे प्रभु, पंचक में इनकी मृत्यु न हो। अगर हो गई तो ये अपने साथ परिवार के चार सदस्यों को ओर ले जाएगा। जनसाधारण के मन में इसे लेकर गहरा डर बैठा हुआ है। अब जानते हैं कि यह कैसे बनता है। पंचक अर्थात पांच नक्षत्रों का समूह-धनिष्ठा के स्वामी मंगल, शतभिषा के स्वामी राहू, पूर्वाभाद्रपद के बृहस्पति, उत्तराभाद्रपद के शनि और रेवती के स्वामी बुध आदि से बनता है। पंचक में शामिल सभी नक्षत्र मृत्यु आदि में अद्भुत माने गए हैं। किसी सनातन धर्म को मनाने वाले के यहां जब मृत्यु होती है उसके यहां गरुड पुराण का पाठ मृतक को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिवार का दुख दूर करने के लिए किया जाता है। इसमें परिवार के सभी सदस्य और नजदीकी रिश्तेदार शामिल होते हैं। अमूमन 8 दिन चलने वाली यह कथा अब समय के अभाव के कारण एक दिन की हो गई है।

उसी गरुड पुराण से हमारा पंचक से उत्पन्न डर भी दूर होता है। इसमें साफ-साफलिखा है कि अगर पंचक में किसी की मृत्यु हो जाए तो उसमें कुछ सावधानियां बरतना चाहिए। सबसे पहले तो दाह-संस्कार संबंधित नक्षत्र के मंत्र से आहुति देकर नक्षत्र के मध्यकाल में किया जा सकता है। विधि विधान से की गई आहुति पुण्यफल प्रदान करती हैं। साथ ही अगर संभव हो दाह संस्कार तीर्थस्थल में किया जाए तो उत्तम गति मिलती है। दाह संस्कार करने वाले ब्राहमणों को इसके साथ ही अभिमंत्रित कुश के बने चार पुतलों को पार्थिव देह के समीप रखना चाहिए।

साथ ही नियमपूर्वक मंत्रसहित विधिपूर्वक यह काम करना चाहिए। पुतलों सहित फिर देह का दाह संस्कार करना धर्मसम्मत माना जाता है। साथ ही शोकाकुल परिवार जब सूतक की समय सीमा समाप्त हो तो मृतक की संतान को शांतिकर्म अवश्य करना चाहिए। हां, जब तक पंचक की शांति न हों तब तक न तो अंतिम यात्रा निकलनी चाहिए और न ही मृत प्राणी के लिए जल प्रदान करना चाहिए। अगर यह सब होता है तो वह अद्भुत फल प्रदान करता है। यह तो आप जानते ही हैं कि पंचक में ब्राहमण आदि समस्त जातियों का दाह संस्कार-बलिकर्म पंचक की शांति होने तक नहीं किया जा सकता। मृतक को सद्गति प्राप्त हो इसलिए तिल, गाय, संभव हो तो सोना और घी का दान जरूरतमंदों को करना चाहिए। इससे सभी प्रकार के डर समाप्त हो जाते हैं। परिवार के सदस्य पीपल, तुलसी, आंवला का वृक्ष मृतक की याद में लगाए तो भी बहुत लाभ होता है।

साथ ही नियमानुसार हर अमावस्या पर मृतक के लिए बराबर तिल मिश्रित जल से तर्पण करना चाहिए। संभव हो तो विप्र भोजन दक्षिणा सहित होना चाहिए। श्राद्धपर्व के 16 दिन तो अवश्य विधि-विधान से श्राद्ध होना चाहिए। अगर यह सब किया जाए तो मृतक को सद्गति प्राप्त होती है और परिवार के सदस्यों को सुख, समृद्धि और शांति मिलती है।

जहां लोग करते हैं रिश्वत से सख्त नफरत

दुनियाभर में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो रिश्वत लेने से जरा भी कुरेज नहीं करते। पैसे की ललक लोगों में इस कद्र बढ़ गई है कि रिश्वत लेनी या देनी आम बात हो गई है लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी हैं जहां लोग रिश्वत से सख्त नफरत करते हैं। जी हां, बेलारूस एक ऐसी जगह है जहां पर लोग रिश्वत से दूर रहते हैं। बेलारूस का अर्थ होता है, व्हाइट रशिया (सफेद रूस)। ईस्टर्न यूरोप में स्थित बेलारूस, पॉलैंड और रूस के बीच है। यहां के लोग बहुत सारी चीजों के लिए रूस पर निर्भर हैं। वह आर्थिक और रोजगार संसाधनों से ज्यादा अहमियत अपनी सोच, एजुकेशन और सिद्धांतों के देते हैं। यहां के नागरिक नियमों की कड़ी पालना करते हैं। पुलिस अधिकारी रिश्वत नहीं लेते हैं। 16 साल की उम्र में ही लोग पासपोर्ट बनवा लेते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि यहां ऐसी कोई यूनिवर्सिटी नहीं है, जो बेलारूसियन भाषा का कोर्स कराती हो या इसका प्रशिक्षण देती हो।

विटामिन बी-3 खाओ,बढती उम्र की चिंता भगाओ

खुशी की खबर है कि यदि विटामिन बी-3 और उसकी उपलब्धता वाले तत्वों का सेवन करें तो आयु बढने के कारण शरीर में आने वाले परिवर्तनों पर थोडा विराम लग सकता है और उम्र से जुडे मधुमेह जैसे रोग भी जल्द नहीं घेर पाएंगे। मैड्रिड के आईएमडीईए फूड के वैज्ञानिकों ने एक या कुछ ऑक्सीकरण रोधी एंजाइमों की बजाय कोशिकाओं की समूची ऑक्सीकरण रोधी क्षमता में वृद्धि करने का प्रयास किया है।

अल्जाइमर से भूली बातें वापस आ सकती हैं याद

अल्जाइमर के कारण लोग बातें भूल जाते हैं। उन्हें याद दिलाना जटिल काम है। लेकिन नोबेल पुरस्कार से सम्मानित सुसुमु तोनेगावा ने अपने नए शोध के आधार पर पाया है कि दिमाग के एक खास हिस्से में नीली रोशनी डालने से याददाश्त वापस लाई जा सकती है। जापानी वैज्ञानिक सुसुमु को जेनेटिक मैकेनिज्म में उनकी खोज के लिए 1987 में मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे मोल्येकुलर (आणविक) जीवविज्ञानी हैं। लेकिन उन्हें इम्यूनोलॉजी (रोगक्षमता विज्ञान) में काम के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। अब वे न्यूरोसाइंस (तंत्रिका विज्ञान) के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। सुसुमु की टीम ने अभी चूहे तक ही प्रयोग किया है और वे सफल रहे हैं।

उनका कहना है कि याददाश्त के मामले में चूहे और आदमी में एक समान चीजें पाई जाती हैं इसलिए यह संभावना बनी है। अल्जाइमर के शुरुआती स्टेज में तो इसकी संभावना ज्यादा है कि याददाश्त वापस लाई जाए। इस प्रयोग के बारे में 'नेचर' जर्नल में इस टीम का लेख छपा है।

कैसे किया

इसके लिए चूहे में जेनेटिक बदलाव लाया गया ताकि उसके दिमाग में उस तरह की स्थिति लाई जा सके जो अल्जाइमर की शुरुआत में होती हैं। ऐसे कई चूहों को एक बक्से में रखा गया जिसके पेंदे में काफी कम स्तर का बिजली का करेंट दिया गया। यह उनके लिए असुविधाजनक तो था लेकिन खतरनाक नहीं था। इसका मकसद उनके पैरों को शॉक ट्रीटमेंट देना था। थोड़े दिनों बाद दिमाग की स्कैनिंग से लगा कि वे कुछ बातें भूल गए हो सकते हैं। फिर, उन चूहों के सिर के एक खास हिस्से को लेजर से नीली रोशनी डालकर उत्तेजित किया गया। इस हिस्से को 'एनग्राम सेल्स' कहते हैं। इससे उन्हें उस शॉक की याद आने लगी।

क्या संभावनाएं हैं

सामान्य चूहे पर भी इसी तरह के प्रयोग किए गए। इसका मकसद यह देखना था कि उनके दिमाग पर वही असर होता है या वे सामान्य तरीके से व्यवहार करते हैं। सामान्य तरीके का व्यवहार पाए जाने के बाद यह पाया गया कि अल्जाइमर का इस तरह इलाज किया जाना संभव है। चूंकि इसमें ऑप्टिकल (प्रकाशीय) तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है इसलिए इसे ऑप्टोजेनेटिक्स नाम दिया गया है। आने वाले दिनों में इस तरह के प्रयोग लोगों पर भी किए जाएंगे।

डिप्रेशन से डरें नहीं

जिंदगी हमें तरह-तरह के रंग दिखाती है। इसमें हमें कभी खुशियों की सौगात मिलती है, तो कभी दुख का अहसास भी होता है। कई बार हमारे जीवन का दुख काफी लंबा हो जाता है जो, डिप्रेशन यानी अवसाद का कारण बन सकता है। यह जीवन पर पडने वाला ऐसा काला साया है, जिससे जीवन के प्रति रुचि खत्म होने लगती है और दिन-प्रतिदिन के कामकाज से भी मन उचट जाता है, लेकिन अब इस मनोरोग से छुटकारा संभव है...

डिप्रेशन के कई कारण हो सकते हैं। किसी व्यक्ति के निजी जीवन से जुड़ी कई बातें भी डिप्रेशन केलिए जिम्मेदार होती हैं। जैसे हमारे जीवन में आने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव जिसमें किसी प्रियजन का बिछड़ना, नौकरी का छूट जाना, विवाह संबंधों में टूटन, शिक्षा के क्षेत्र में असफलता और इस तरह की अन्य समस्याएं अवसाद का कारण बनती हैं। इसके अलावा जीवन के प्रति नकारात्मक सोच रखने वाले लोग अवसाद या डिप्रेशन से कहीं ज्यादा ग्रस्त होते हैं। जैसे वे सोचते हैं कि मैं सफल नहीं होऊंगा, इसलिए यह कार्य नहीं कर सकता या फिर कई लोगों के मन में हमेशा कुछ न कुछ अनहोनी का डर बना रहता है जिससे उनके अवसाद में जाने का खतरा बना रहता है। कुछ समस्याएं ऐसी हैं, जिनके कारण व्यक्ति अवसाद में जा सकता है। जैसे थायराइड से संबंधित बीमारियां, विटामिन डी की कमी और पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आदि। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट्स के कारण भी व्यक्ति डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकता है। हालांकि अवसाद ग्रस्त व्यक्ति सामान्य व्यक्तियों की तुलना में एकाकी रहना पसंद करता है।

लक्षण

कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके आधार पर डिप्रेशन की मनोदशा का पता लगाया जा सकता है। जैसे...

उदासी या एकाकीपन

अगर व्यक्ति डिप्रेशन या अवसाद से ग्रस्त है, तो उसका किसी काम या विषय में मन नहीं लगता। हालांकि सामान्य उदासी अवसादग्रस्त उदासी से बिल्कुल भिन्न है। अवसादग्रस्त व्यक्ति की विभिन्न वस्तुओं या विषयों से रुचि खत्म हो जाती है, उसे खुशी या गम का अहसास नहीं होता। वह अपनी ही दुनिया में खोया रहता है।

नकारात्मक रवैया: किसी भी तरह की सकारात्मक सोच पर ये लोग ध्यान नहीं देते। ऐसे व्यक्ति पर नकारात्मक सोच हावी रहती है।

शारीरिक अस्थिरता

अगर व्यक्ति अवसादग्रस्त है, तो उसे या तो अत्यधिक नींद आती है या फिर नींद कम आती है। कई बार आधी रात को ही नींद खुल जाती है। अवसादग्रस्त व्यक्ति को भूख कम लगती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। अवसाद आनुवांशिक कारणों से भी संभव है। अवसाद किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकता है। अवसाद के भी विभिन्न स्तर हैं, जो इस प्रकार हैं- मेजर, क्रॉनिक, मैनिएक और अन्य प्रकार के अवसाद।

मेजर डिप्रेशन

एक गंभीर समस्या डिप्रेशन का सबसे सामान्य रूप है- मेजर डिप्रेशन।

इसके कुछ लक्षण इस प्रकार हैं...

- पीड़ित व्यक्ति अत्यधिक दुख, हताशा, ऊर्जा की कमी और चिड़चिड़ापन महसूस करता है।
- किसी काम में ध्यान न लगना। नींद और खाने की आदतों में परिवर्तन।
- शारीरिक दर्द और आत्महत्या जैसे विचारों का अहसास।

इलाज: मेजर डिप्रेशन से पीड़ित व्यक्ति कम से कम दो हफ्ते से ज्यादा समय तक अगर उपर्युक्त लक्षणों से ग्रस्त हैं, तो उसके परिजनों को मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि मेजर डिप्रेशन की चपेट में आने वाले 80 से 90 प्रतिशत व्यक्ति उचित इलाज से ठीक हो जाते हैं। इलाज के अंतर्गत दवाएं और मरीज के साथ ही उसके परिजनों की काउंसलिंग की जाती है। इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति को कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (मरीज के सोचने के ढंग को बदलने के लिए प्रेरित करना) भी दी जाती है।

बाइपोलर डिसऑर्डर

बाइपोलर डिसऑर्डर को मैनिएक डिप्रेशन भी कहा जाता है, जो मानसिक चंचलता और मानसिक दिक्कतों का कारण बनता है। जब व्यक्ति अवसादग्रस्त होता है, तब वह दुखी या हताश महसूस करता है और किसी भी क्रियाकलाप के प्रति दिलचस्पी खो देता है, लेकिन जब उसका मूड दूसरी दिशा में शिफ्ट होता है, तब वह ऊर्जा से भरपूर और उल्लासमय नजर आता है। मूड का इस तरह बदलना जीवन में कई बार हो सकता है। कुछ लोगों में यह बीमारी गंभीर रूप ले लेती है।

इलाज: विशेषज्ञ की सलाह पर ट्रीटमेंट लेना आवश्यक है। ज्यादातर मामलों में बाइपोलर डिसऑर्डर को दवाओं और काउंसलिंग के जरिएनियंत्रित किया जा सकता है।

डिस्थाइमिया या क्रॉनिक डिप्रेशन

डिप्रेशन का यह सामान्य रूप मेजर डिप्रेशन से कम गंभीर होता है,लेकिन इसमें भी खतरा रहता है। डिस्थाइमिया इस प्रकार का डिप्रेशन होता है, जिसमें लंबे समय तक पीड़ित व्यक्ति की मानसिकस्थिति खराब रहती है। यह स्थिति एक साल या इससे भी ज्यादा समय के लिए हो सकती है।

उपचार

क्रॉनिक डिप्रेशन में दवाओं के साथ साइकोथेरेपी भी कारगर होती है। जो व्यक्ति डिस्थाइमिया की चपेट में होता है, उसे मेजर डिप्रेशन होने का खतरा रहता है।

सावधानियां बरतें

- डिप्रेशन पीड़ितों को उनके स्वभाव के लिए दोषी न ठहराएं।
- यह अपेक्षा न करें कि रोगी एकदम से ठीक हो जाएगा, क्योंकि इलाज की प्रक्रिया में वक्त लगता है।
- पीड़ितों को पारिवारिक व सामाजिक वार्तालाप में शामिल होने से न रोकें।
- उन्हें अकेला न छोड़ें।

शुरू कर सकते हैं खुद का कारोबार

पर्सलन स्टाइलिस्ट में बेहतर भविष्य खोज सकते हैं युवा

आजकल के युवा स्टाइल के मामले में किसी से कम नहीं वो अपनी लुक को बदलने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद लेते हैं, जिन्हें पर्सनल स्टाइलिस्ट कहा जाता है। आजकल की युवा पीढ़ी अपने करियर को लेकर काफी जागरूक है। वो अपने कॅरियर का चुनाव बड़े ही सोच समझकर करते हैं। आप पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने में भी अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। पर्सनल स्टाइलिस्ट का काम होता है लोगों का मेकओवर करना और लोगों के ड्रेसिंग सेंस को भी बढ़ाना।

फैशन जगत से रहें अपडेट

हर कॅरियर की शुरुआत करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना बेहद जरूरी है। पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपको लोगों के मूड, फैशन के बदलते ट्रेंड , ड्रेसिंग सेंस के बारे में, इसके लिए आपको हर दिन की फैशन जगत की अपडेट रखनी होगी।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, दिल्ली

योग्यता...

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए ज्यादा शिक्षा की तो नहीं बल्कि आपके पास डिग्री होनी जरूरी है और इस क्षेत्र में काम करने के लिए आप फैशन डिजाइनिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग और मार्केटिंग का कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप चाहें तो खुद का कारोबार भी शुरू कर सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा, इसके अलावा आप फैशन, एंटरटेनमेंट, डिजाइनिंग वाले क्षेत्र में भी नौकरी पा सकते हैं।

रेसिपी

अचारी पनीर

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए, 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक स्वादानुसार

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरीमिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दही के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। अब कड़ाही में तेल डालकर उसमें सारे सामग्री को मिला लें थोड़ी देर पकाने के बाद उसमें पनीर के टुकड़ों को डाल दीजिए और फिर थोड़ी देर पकने दें उसके बाद उसे किसी बाउल में निकाल लीजिए, हो गया आपका अचारी पनीर तैयार। आप इसे पराठा, पूरी या फिर चावल के साथ भी खाने का मजा लें सकते हैं।

खीरे का चीला

सामग्री

250 ग्राम बेसन, 200 ग्राम खीरा, 150 ग्राम बड़े टमाटर, 1 टे.स्पून हरा धनिया, 1 हरी मिर्च, आधा इंच अदरक का टुकड़ा, 15-20 करी पत्ता, स्वादानुसार नमक, एक चौथाई टी स्पून लाल मिर्च, तलने के लिए तेल।

विधि

खीरा छीलकर कस लें, हल्के हाथ से दबा थोड़ा पानी निकाल लें। टमाटर को खौलते पानी में दो-तीन मिनट रखकर निकालकर छिलका उतारकर रस निकाल लें व छान लें। धनिया, अदरक व हरी मिर्च मिलाकर पीस लें। करी पत्ता महीन काट लें। बेसन में तेल छोड़ बाकी सारा सामान मिला चीले जैसा घोल बना लें। तवे में तेल गर्मकर एक बड़ी चम्मच में घोल लेकर तीन-चार जगह छोड़ दें। लाल हो जाने पर चिमटे से पलट कर दूसरी तरफ भी लाल कर निकाल लें एवं अच्छी तरह तेल झारकर गरमागरम परोसें।

गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर ध्यान दें...

गाड़ी खरीदना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात यह है कि गाड़ी को अच्छी स्थिति में रखना। हम अक्सर कारों का इस्तेमाल लगभग हर दूसरे कामो में करते हैं लेकिन कभी इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते कि कारों की देखभाल भी बड़े ही अच्छे और प्यार से करनी चाहिए। गाड़ी की अच्छी देखभाल करने का एक सबसे आसन और सरल उपाय है यूजर मैन्यूअल। आपकी गाड़ी से सम्बंधित हर छोटी बड़ी बातें इस यूजर मैन्यूअल में रहती हैं। हम ज्यादातर यूजर मैन्यूअल पढ़ते भी नहीं ढंग से, लेकिन अगर आप ध्यान दें तो आपको पता चलेगा कि कितनी काम की जानकारियां इस यूजर मैन्यूअल से हमें मिल सकती हैं। तो अगर आप खुद गाड़ी की देखभाल करना चाहते हैं और छोटी छोटी बातों के लिए गाड़ी को गैराज में नहीं ले जाना चाहते तो अपने गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर भी थोड़ा ध्यान दें।

ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की जांच

गाड़ी को स्थिर कर खड़ा करें एक स्तर पर, फिर पार्किंग ब्रेक लगाएं और इंजन शुरू करें।अपने ट्रांसमिशन शिफ्टर को पोजिशन(पार्किंग) में रखें। इंजन को वैसे ही रहने दें। ट्रांसमिशन डीप स्टिक निकले। डीप स्टिक को एक साफ कपड़े से या फिर टिशू पेपर से पोछ लें, इसके बाद फिर डीप स्टिक को वापस जगह पे डाल दें। डालने के बाद फिर से निकालें और फ्लूअड लेवल चेक कर लें। अगर इंजन बंद है तो ये कोल्ड मार्क तक रहेगा। अगर गाड़ी चली है और गर्म है तो हॉट मार्क पर रहेगा। फ्लूअड कोलोर का भी ध्यान रखें।अगर ज्यादा गंदा है और खराब गंध आ रही है तो ट्रांसमिशन सही काम नहीं कर रहा है। इसे साफ और पारदर्शी रहना चाहिए। आप अपने गाड़ी की मैन्यूअल देख लें की इसे कब बदलने की जरूरत है। गाड़ी को कोई समतल जगह खड़े करें, इंजन बंद कर दें, थोड़ी देर रूकें कि इंजन आयल अपने स्तर पर आ जाए। इंजन की डीप स्टिक निकालें। इसे अच्छी तरह किसी सूखे कपड़े या फिर टिशू पेपर से पोछ के फिर वापस जगह पर डाल दें। अब इस डीप स्टिक को फिर से निकालें और इंजन आयल लेवल चेक करें। आमतौर पे ये फुल मार्क तक रहेगा, लेकिन ये अगर फुल मार्क के कुछ ज्यादा ही नीचे है तो फिर आपको इंजन आयल बदलने की जरूरत है। यह भी देख लें अगर इंजन आयल में ज्यादा कालापन आ गया है या फिर ज्यादा गन्दा हो गया है तो इसे तुरंत बदल दें।

इंजन कूलन्ट की जांच

इंजन कूलन्ट के कम होने पर इंजन-ओवरहीट हो जाता जो की इंजन की एक बहुत ही बड़ी समस्या है। इंजन कूलन्ट का स्तर लो और फुल मार्क के बीच में रहना चाहिए। अगर आप बार बार कूलन्ट डाल रहे हैं फिर भी टैंक में सही मात्र में कूलन्ट नहीं है तो हो सकता है कि कूलन्ट लीक हो रही हो।

संपादकीय

'पेपर लीक' का माफिया कौन?

एक बार फिर 'पेपरलीक' और करीब 23 लाख युवा बच्चों का भविष्य अधर में, अंधकारपूर्ण और अनिश्चित... ! 'नीट' का पेपर लीक हुआ है। अभ्यर्थी युवाओं में कई होनहार, विशेषज्ञ डॉक्टर बन सकते थे ! जिंदगियां बचा सकते थे ! घर-परिवार की आर्थिक स्थितियां बेहतर कर सकते थे ! मां-बाप के कर्ज चुकता कर सकते थे ! लेकिन एक माफिया, संगठित गिरोह, पैसे के हवसी, संवेदनहीन साजिशकार इस देश में सक्रिय हैं, जो युवा पीढ़ी को बार-बार निराश, हताश कर रहे हैं। उनकी उम्मीदें छीन रहे हैं। विडंबना यह है कि बीते सालों में 70 बार या अधिक पेपरलीक कराए गए हैं, कुछ 'काली भेड़ें' जेल में हो सकती हैं, लेकिन सरगना बेखौफ, बेलगाम षड्यंत्र रच रहे हैं। आज तक न तो सीबीआई और न ही सरकारों की अन्य एजेंसियां इस नापाक नेटवर्क के 'माफिया' को तय नहीं कर पाई हैं। बेशक सीबीआई देश की प्रमुख जांच एजेंसी है। कानून में सजा कितनी है-3, 4, 5 अथवा 10 साल तक। किसको सजा दी गई? किस पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोंका गया? किस पर स्थायी पाबंदी लगाई गई? इन सवालों के जवाब तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री को देने चाहिए। हकीकत यह है कि यह शर्मनाक, देशद्रोही धंधा आज हजारों करोड़ रुपए का बताया जा रहा है। क्या इन साजिशकारों के घरों में युवा बच्चे नहीं हैं? वे भी डॉक्टर, इंजीनियर बनना चाहते होंगे! शायद उनके साथ ऐसे हादसे नहीं हुए या उनके बच्चे भी पेपरलीक के जरिए पास हो गए होंगे! पेपरलीक का धंधा तो शाश्वत लगता है हमें! भारत जैसे विराट, सम्मानित और विश्व-गुरु की खुशफहमी पाले देश के लिए ये करतूतें, हरकतें, युवा पीढ़ी के सपनों को चकनाचूर करने वाली 'माफियागीरी' शर्मनाक ही नहीं, बल्कि इसका दमन भी आतंकवाद, नक्सलवाद की तरह किया जाना चाहिए। दरअसल मौजूदा शिक्षा मंत्री नालायक हैं, शिक्षा मंत्रालय नकारा, भ्रष्ट है और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) बार-बार साबित हो रही है कि वह पारदर्शी, ईमानदार, लीक-मुक्त परीक्षाएं कराने के लायक ही नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी बेहद जागरूक और पारदर्शी नेता हैं, ऐसे निकम्मेपन के खिलाफ माने जाते रहे हैं, लिहाजा मौजूदा व्यवस्था को पूरी तरह बदलें। अंततः युवा पीढ़ी और जनता को सडक़ों पर बिछ कर जन-आंदोलन खड़ा करना पड़ेगा। यह सिर्फ 23 लाख बच्चों के भविष्य का ही नहीं, बल्कि 23 लाख परिवारों के भविष्य पर आघात किया गया है। अधिकांश बच्चे गरीब या निम्न मध्यवर्गीय होते हैं। जिन बच्चों के लिए 10-28 लाख रुपए में लीक वाले प्रश्नपत्र खरीदे जाते हैं, उस जमात को छोड़ दीजिए। दरअसल वे ही पेपरलीक के धंधे के थोक-ग्राहक हैं, लिहाजा इस शर्मनाक धंधे के सह-भागीदार हैं। हमने चार दशक से अधिक की पत्रकारिता के दौरान पेपर और भ्रष्टाचार के मामले देखे हैं, कवर किए हैं। नकदी के बंडलों के लेन-देन देखे हैं। उनमें कुलपति, रजिस्ट्रार से लेकर प्रिंटिंग प्रेस तक की 'मिलीभगत' भी देखी है, लिहाजा पेपरलीक के दौर में प्रिंटिंग प्रेस और उसके दल्लों की धंधेबाजी और नतीजतन पेपरलीक कमोबेश हमें नहीं चौंकाता। अब इस नेटवर्क को तोडने और मसलने का वक्त आ गया है। अब प्रधानमंत्री मोदी और उनकी कैबिनेट के खास, समझदार मंत्रियों को विमर्श कर यह तय करना पड़ेगा कि परीक्षा का तरीका क्या होना चाहिए? ऑफलाइन परीक्षा क्यों जरूरी है? डिजिटल के दौर में कई परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की जा रही हैं। अब 'नीट' का पेपरलीक हुआ है, तो 400-500 करोड़ रुपए पर पानी फिर गया। यह करदाता का पैसा था। बताया जा रहा है कि एक गैस पेपर बीते 15-30 दिनों से घूम रहा था। वह 150 पन्नों का था, जिसमें 410 प्रश्न संकलित किए गए थे। उनमें 120-140 सवाल हूबहू परीक्षा में पूछे गए। बॉयलोजी के तो 90 प्रश्न और रसायन विज्ञान के 45 प्रश्न परीक्षा में आ गए, मानो गैस पेपर की 'फोटोप्रति' की गई हो ! सीबीआई जांच करेगी कि यह कैसे और क्यों हो सकता है? अनुमानित पेपर के नाम पर पुस्तिकाएं बाजार में बिकती रही हैं, लेकिन इतना मिलान, हूबहू होना सवालिया और संदेहजनक है। परीक्षा रद्द करना कोई समाधान नहीं है।

अभ्यर्थी युवाओं में कई होनहार, विशेषज्ञ डॉक्टर बन सकते थे! जिंदगियां बचा सकते थे! घर-परिवार की आर्थिक स्थितियां बेहतर कर सकते थे! मां-बाप के कर्ज चुकता कर सकते थे! लेकिन एक माफिया, संगठित गिरोह, पैसे के हवसी, संवेदनहीन साजिशकार इस देश में सक्रिय हैं, जो युवा पीढ़ी को बार-बार निराश, हताश कर रहे हैं। उनकी उम्मीदें छीन रहे हैं। विडंबना यह है कि बीते सालों में 70 बार या अधिक पेपरलीक कराए गए हैं, कुछ 'काली भेड़ें' जेल में हो सकती हैं, लेकिन सरगना बेखौफ, बेलगाम षड्यंत्र रच रहे हैं। आज तक न तो सीबीआई और न ही सरकारों की अन्य एजेंसियां इस नापाक नेटवर्क के 'माफिया' को तय नहीं कर पाई हैं। बेशक सीबीआई देश की प्रमुख जांच एजेंसी है। कानून में सजा कितनी है-3, 4, 5 अथवा 10 साल तक। किसको सजा दी गई? किस पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोंका गया? किस पर स्थायी पाबंदी लगाई गई? इन सवालों के जवाब तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री को देने चाहिए। हकीकत यह है कि यह शर्मनाक, देशद्रोही धंधा आज हजारों करोड़ रुपए का बताया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस (15 मई) पर विशेष

असमानताओं के दौर में परिवार और संस्कारों की चुनौती

योगेश कुमार गोयल

समाज की सबसे छोटी और सबसे महत्वपूर्ण इकाई (परिवार) के अस्तित्व, उसकी चुनौतियों और उसकी अपरिहार्यता पर आत्ममंथन करने का अवसर है। वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित यह दिन आज के दौर में और भी प्रासंगिक हो गया है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस का मुख्य विषय 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' रखा गया है। यह विषय सीधे तौर पर उन सामाजिक और आर्थिक विषमताओं पर प्रहार करता है, जो आज के वैश्विक परिदृश्य में परिवारों की संरचना और बच्चों के भविष्य को प्रभावित कर रही हैं।

प्रत्येक वर्ष 15 मई को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस समाज की सबसे छोटी और सबसे महत्वपूर्ण इकाई (परिवार) के अस्तित्व, उसकी चुनौतियों और उसकी अपरिहार्यता पर आत्ममंथन करने का अवसर है। वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित यह दिन आज के दौर में और भी प्रासंगिक हो गया है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस का मुख्य विषय 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' रखा गया है। यह विषय सीधे तौर पर उन सामाजिक और आर्थिक विषमताओं पर प्रहार करता है, जो आज के वैश्विक परिदृश्य में परिवारों की संरचना और बच्चों के भविष्य को प्रभावित कर रही हैं। भारतीय संदर्भ में, जहां परिवार को केवल एक संस्था नहीं बल्कि 'संस्कारों की पाठशाला' माना जाता है, वहां इस वर्ष की थीम एक गंभीर विमर्श की मांग करती है।

भारतीय सभ्यता में परिवार का आधार प्रेम, त्याग और सह-अस्तित्व रहा है। पश्चिमी देशों में जहां परिवार अक्सर एक संविदा की तरह देखा जाता है, वहीं भारत में यह एक आध्यात्मिक बंधन है। हमारे यहां 'मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः' के आदर्शों ने नई पीढ़ी को अपने बड़ों के प्रति कृतज्ञ होना सिखाया। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता 'संयुक्त परिवार' रही है। एक ही छत के नीचे तीन-चार पीढ़ियों का साथ रहना बच्चों के लिए सुरक्षा कवच और बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक आश्रय सुनिश्चित करता था। यहां 'मैं' की जगह 'हम' की प्रधानता थी। इस व्यवस्था में 'वसुधैव कुटुंबकम' (संपूर्ण पृथ्वी ही परिवार है) का भाव निहित था, जहां व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक कल्याण के बारे में सोचता था।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' का विषय अत्यंत सामयिक है। आज दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक और डिजिटल विभाजन ने परिवारों के बीच एक गहरी खाई पैदा कर दी है। जब एक परिवार आर्थिक रूप से असुरक्षित होता है तो उसका सबसे पहला और सीधा प्रभाव बच्चों के पोषण और शिक्षा पर पड़ता है। आय की अस्थिरता परिवारों को तनाव में डालती है, जिससे घर का वातावरण कलहपूर्ण हो जाता है। 2026 का आयोजन इसी बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे अपर्याप्त सहायता प्रणालियां गरीब परिवारों को वंचितता के चक्र में धकेल देती हैं। जहां तक बाल कल्याण और भविष्य की संभावनाओं की बात है तो बाल कल्याण केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं है। इसमें बच्चे का मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास शामिल है। असमानताओं के कारण कुछ बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल पाती हैं जबकि एक बड़ा वर्ग इससे वंचित रह जाता है। यह 'अवसरों की असमानता' आने वाली पीढ़ियों की उत्पादकता और सामाजिक गतिशीलता को अवरुद्ध कर देती है। आधुनिक युग में सूचना और तकनीक तक पहुंच भी एक बड़ी असमानता है। जिन परिवारों के पास डिजिटल संसाधन नहीं हैं, वहां के बच्चे वैश्विक दौड़ में पीछे छूट रहे हैं।

आज हम एक ऐसे संक्रमण काल में हैं, जहां तकनीक ने दूरियों को तो कम किया है लेकिन दिलों के बीच की दूरियां बढ़ा दी हैं। शहरीकरण और भौतिकवाद की अंधी दौड़ ने भारतीय परिवार की पारंपरिक संरचना को हिलाकर रख दिया है। पहले भोजन की मेज पर दिनभर की बातें साझा होती थी लेकिन आज वहां मोबाइल फोन की स्क्रीन चमकती है। तकनीक ने सुविधा तो दी मगर संवेदनाएं छीन ली। लोग एक ही कमरे में रहकर भी अलग-अलग आभासी दुनिया में खोए रहते हैं। बुजुर्ग भी, जो कभी परिवार की धुरी होते थे, आज हाशिए पर हैं। आधुनिक पीढ़ी अपनी निजता और स्वतंत्रता के नाम पर बड़ों के अनुभव और मार्गदर्शन को बोझ समझने लगी है।

भारत में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या एक चिंताजनक सामाजिक संकेत है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि देश में वरिष्ठ नागरिक गृहों की मांग और संख्या दोनों बढ़ रही है। जिस संस्कृति में श्रवण कुमार जैसे उदाहरण दिए जाते थे, वहां आज बुजुर्ग अकेलेपन और भावनात्मक उपेक्षा का शिकार हैं। संतानों द्वारा आर्थिक मदद तो भेज दी जाती है लेकिन बुजुर्गों को जिसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है] 'समय और अपनापन', वह उन्हें नहीं मिल पाता। यह स्थिति न केवल बुजुर्गों के लिए मानसिक अवसाद पैदा करती है बल्कि नई पीढ़ी को भी उन संस्कारों से वंचित कर देती है, जो केवल बड़ों के सान्निध्य में सीखे जा सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस 2026 इस बात पर जोर देता है कि सरकारों को परिवार-केंद्रित नीतियां बनानी चाहिए। सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के तहत परिवारों को गरीबी से बचाने के लिए बाल और परिवार लाभ, किफायती शिशु देखभाल और माता-पिता के लिए वैतनिक अवकाश जैसी नीतियां अनिवार्य हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और आय सुरक्षा को मिलाकर एक ऐसा ढ़ांचा तैयार करने की आवश्यकता है, जिससे असमानता के प्रभाव को कम किया जा सके। कॉरपोरेट जगत और सरकारों को ऐसी कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, जहां कर्मचारी अपने परिवार को पर्याप्त समय दे सकें।

यदि हमें एक स्वस्थ और स्थिर समाज का निर्माण करना है तो हमें अपनी पारिवारिक जड़ों की ओर लौटना होगा। परिवार समाज की मूल इकाई है और यदि नींव कमजोर होगी तो राष्ट्र की इमारत सुरक्षित नहीं रह सकती। शिक्षा का उद्देश्य केवल आर्थिक सफलता नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं का विकास भी होना चाहिए। बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि सफलता का असली पैमाना रिश्तों की मजबूती है। परिवारों को 'डिजिटल डिटॉक्स' अपनाने की जरूरत है। दिन का कुछ समय केवल परिवार के सदस्यों के साथ बिना किसी उपकरण के बिताना चाहिए। परिवार के निर्णयों में बुजुर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उनके अनुभव हमारे जीवन के कठिन मोड़ों पर रोशनी दिखाने का काम करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस हमें स्मरण कराता है कि भले ही दुनिया बदल रही हो, तकनीक उन्नत हो रही हो लेकिन एक मनुष्य के लिए परिवार की आत्मीयता का कोई विकल्प नहीं है। 'परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण' का संदेश तभी सफल होगा, जब हम समाज में व्याप्त आर्थिक विषमताओं को कम करने के साथ-साथ अपने भीतर के प्रेम और करुणा को भी जगाएंगे। भारतीय संस्कृति का 'हम' का भाव और वैश्विक समाज की न्यायसंगत नीतियां मिलकर ही एक ऐसी दुनिया बना सकती हैं, जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, हर बुजुर्ग सम्मानित हो और हर परिवार समृद्ध हो। इस दिवस पर यह संकल्प लेना आवश्यक है कि हम अपने परिवार की गरिमा को बनाए रखेंगे और रिश्तों की इस अनमोल धरोहर को अगली पीढ़ी के लिए सहेजकर रखेंगे। भारतीय संस्कृति में परिवार केवल एक साथ रहने का नाम नहीं है बल्कि एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण का नाम है।

देश दुनिया से

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा। गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है। समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125% तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े। हाल के अमेरिका/इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10% की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है। दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है- या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें। चूंकि भारत हाल के वर्षों में अमेरिका भारत का अहम रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। दूसरी ओर चीन भी भारत का अहम पड़ोसी देश है, जिसके साथ सीमा विवाद के बाद भी रिश्ते व्यवहारिक समझ पर वापस लौट रहे है। ऐसे में दोनों देशों के आपसी संबंध और इस दौरे के निष्कर्ष भी भारत पर असर डालेगा। अमेरिका और चीन के रिश्ते एक लंबे वक्त तक असहजता के दायरे में रहे, जिसके जियोपॉलिटिकल प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा है। ट्रंप का यह दौरा 2017 के बाद हो रहा है। चीन पहुंचने पर बुधवार को ट्रंप का स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया, जो 2017 से अच्छा स्वागत होने को दर्शाता है। चीन मामलो के जानकार बताते हैं कि भारत जानना चाहेगा कि ट्रंप और चिनफिंग के बीच बातचीत का क्या निष्कर्ष निकला। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में जिस तरह चीन का प्रभाव बढ़ा है, इसी बैलेस ऑफ पावर के मद्देनजर अमेरिका और भारत रणनीतिक और सामरिक मुद्दों पर लगातार नजदीकी स्तर पर काम करते रहे। ऐसे में अमेरिका और चीन अपने सबंधों को अगर फिर से नया आयाम देने का फैसला करते है तो अमेरिका व चीन दोनों के रिश्तों के मुताबिक भारत को भी अपनी विदेश नीति में बदलाव करना होगा।

आप का नज़रिया

संकल्प के नक्शे पर

भाजपा ने एक साथ चार शहरों के नक्शे खींच दिए, तो जमाने को देखना होगा कि शहरीकरण के बाजार में कितनी हवा बाकी है। धर्मशाला, पालमपुर, मंडी और सोलन तक संकल्पों के घोड़े दौड़े हैं, तो समझना यह होगा कि आधुनिक हिमाचल की शिरकत क्या है। मंडी के भीतर और मंडी के बाहर दो तरह की सत्ताएं रही हैं। एक ने पिछले चुनाव के धरातल पर जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री बनाया, तो शहर के भीतर तक नगर निगम आया और दूसरे ने सांस्कृतिक विरासत ढूंढी, तो शिवधाम का मंजर नजर आया। इक्यासी मंदिरों की प्रदक्षिणा में सारे मंडी का जज्बा है, तो भाजपा ने पहली बार कसम खाई कि कुछ करके दिखाएगी। मंडी के अगल-बगल से लांघते पर्यटक को रोकना है, तो कसौटियों की बुनियाद पर मंडी को नगर निगम की सक्रियता चाहिए। अधोसंरचना निर्माण के वादे सामने आए हैं, तो याद रखना होगा कि शहर के सपनों को जिंदा रखना होता है। वर्षों पहले पंडित सुखराम ने इंदिरा मार्किट की परिकल्पना में जो एहसास शहर को दिया, क्या इस संकल्प के बाजुओं पर वैसा कोई अवतार है। बेशक कांग्रेस ने हमीरपुर और शिमला में दो बड़े व्यापारिक परिसर बनाने का संकल्प उतारा है, लेकिन देखना यह होगा कि इस स्तर की परियोजनाएं क्या सोलन, पालमपुर, मंडी और धर्मशाला को मिलती हैं। सोलन में नगर निगम क्षेत्र को जो विजन भाजपा दे रही है, उसके अनुसार शहर की जलापूर्ति अब सही ढर्रे पर आएगी। सोलन के इर्द-गिर्द अब पहाडियां कम अपार्टमेंट अधिक हैं, तो पार्किंग की चिंता के अलावा भाजपा हरियाली लेकर आ रही है। नगर निगम और नगर परिषद के बीच चिंताओं का अंतर भले ही कम हो, लेकिन इन्हें दूर करने के इरादों में भारी अंतर होना चाहिए। सोलन में भाजपा उन मुद्दों को छू रही है, जो आधारभूत होने के अलावा राजनीतिक अधिक हैं। पालमपुर अपनी पृष्ठभूमि को खंगालते हुए सबसे पहले 'पर्यटन सर्किट' का ताज पहन रहा है, तो ऐसे संकल्प आर्थिक ऊर्जा पैदा करते हैं। शहर की अधोसंरचना में फ्लाईओवर, अंडरपास, पार्किंग तथा पार्कों के लिए जमीन तलाशी जा रही है। रेन शेल्टर और सोलर प्लांट लगाने के अलावा नगर निगम अपनी खुशहाली-रखवाली के लिए अपना कानून बनाना चाहती है। भाजपा का संकल्प चुनाव जीतने की पेशकश के साथ-साथ टीसीपी कानून को बाय-बाय कहना चाहता है। यानी शहरी तहजीब के फंदे उतार कर सियासी वादों का चरित्र कहीं अन्यत्र ही नाच रहा है। भाजपा के चारों संकल्प पत्रों से कहीं आगे धर्मशाला के संबोधन दर्ज हैं। सबसे अहम बिंदु यह है कि आने वाले वर्षों की जरूरत को समझा जा रहा है। भीड़ और ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए विकास के नक्शे को उकेरा गया है। जर्जर सरकारी इमारतों को हटाते हुए डिकंजेशन के हर पहलू पर गौर हो रहा है। मेले और छिंज मैदानों का विस्तार और साइकिलिंग ट्रैक बनाए जा रहे हैं। पुराने बाजारों-क्षेत्रों का पुनर्वास और चरान खड्ड से भागसूनाग तक फनिक्युलर ट्रैफिक व्यवस्था जैसे महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट चुने जा रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए डाक्टर ऑन कॉल तथा युवाओं के लिए फुटबाल अकादमी के संकल्प ऊंचे हैं। स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर बनाने के अलावा रुके कार्यों पर भाजपा ने दस्तखत किए हैं। जाहिर है संकल्प की उत्तम पद्धति अपनाने में हर शहर में भाजपा ने वादे किए हैं। दरअसल ये चारों निगम आने वाले विधानसभा चुनावों की चार दिशाएं साबित हो सकते हैं। ऐसे में पालमपुर में भाजपा का निरंतर राजनीतिक सूखा क्या इस संकल्प पत्र से हट जाएगा। मंडी का विजय घोष पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का जय जयकार करेगा। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल सोलन को मुट्ठी बंद करके अपने प्रभाव का क्षेत्रफल बढ़ा पाएंगे या सुधीर शर्मा एक बार फिर अपने विजन की कारामात से कांग्रेस को चकमा दे पाएंगे। भाजपा ने कोशिश ऐसी जरूर की है कि तमगे लौट आएं, अपना नूर दिखा कर।

मंडी के भीतर और मंडी के बाहर दो तरह की सत्ताएं रही हैं। एक ने पिछले चुनाव के धरातल पर जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री बनाया, तो शहर के भीतर तक नगर निगम आया और दूसरे ने सांस्कृतिक विरासत ढूंढी, तो शिवधाम का मंजर नजर आया। इक्यासी मंदिरों की प्रदक्षिणा में सारे मंडी का जज्बा है, तो भाजपा ने पहली बार कसम खाई कि कुछ करके दिखाएगी। मंडी के अगल-बगल से लांघते पर्यटक को रोकना है, तो कसौटियों की बुनियाद पर मंडी को नगर निगम की सक्रियता चाहिए। अधोसंरचना निर्माण के वादे सामने आए हैं, तो याद रखना होगा कि शहर के सपनों को जिंदा रखना होता है। वर्षों पहले पंडित सुखराम ने इंदिरा मार्किट की परिकल्पना में जो एहसास शहर को दिया, क्या इस संकल्प के बाजुओं पर वैसा कोई अवतार है। बेशक कांग्रेस ने हमीरपुर और शिमला में दो बड़े व्यापारिक परिसर बनाने का संकल्प उतारा है, लेकिन देखना यह होगा कि इस स्तर की परियोजनाएं क्या सोलन, पालमपुर, मंडी और धर्मशाला को मिलती हैं। सोलन में नगर निगम क्षेत्र को जो विजन भाजपा दे रही है, उसके अनुसार शहर की जलापूर्ति अब सही ढर्रे पर आएगी। सोलन के इर्द-गिर्द अब पहाडियां कम अपार्टमेंट अधिक हैं, तो पार्किंग की चिंता के अलावा भाजपा हरियाली लेकर आ रही है। नगर निगम और नगर परिषद के बीच चिंताओं का अंतर भले ही कम हो, लेकिन इन्हें दूर करने के इरादों में भारी अंतर होना चाहिए। सोलन में भाजपा उन मुद्दों को छू रही है, जो आधारभूत होने के अलावा राजनीतिक अधिक हैं।

कुछ अलग

धरना-प्रदर्शन का ककहरा

आपको कितने दिन हो गए, सडक़ पर धरना लगाए?' उन्होंने हमें पूछा था। अब ऐसी बातों का भी भला कोई जवाब हो सकता है। बहुत कोंचोगे तो यही जवाब देंगे कि 'साब सडक़ पर तो हमारा हमेशा धरना रहा है, आप हमारे धरने के दिन न गिनिये। कोशिश कीजिए कि साम, दाम, दंड, भेद की कोई भी नीति अपनाकर यह धरना उठाना है।' हमारा यह धरना वैसे अभी नहीं, बहुत दिन से है। हमने तो शिक्षा-दीक्षा हासिल करने की बजाय धरने प्रदर्शन का ककहरा पढ़ा है। हमारी सुनवाई ही कहां होती है धरना, प्रदर्शन के बिना। जब होश संभाली तो पता चला कि यहां अक्ल और रुचि नहीं, सिफारिश और सिक्कों की चमक देखी जाती है। जब इसके धनुर्धारी इन सब सीटों को हथिया लेते हैं, तो हमारे लिए जो बचता है, वह है सडक़छाप पाठशाला और अर्थिक संकट में घिरे हुए विश्वविद्यालय, जिसके उपकुलपति आर्थिक तंगी से परेशान होकर इस्तीफा भी दे जाएं तो किसी के कानों पर जूं नहीं रेंगती। एक अनार है और सौ बीमार हैं। एक इस्तीफा देकर अनोखा कार्य करता है तो बाईस उसकी जगह लेने को तैयार बैठे हैं। लोग तो भई आजकल गद्दी छोड़ते कहां हैं? जाने की तैयारी कर भी लें तो अपना नाती-पोता वहां भिड़ा जाते हैं। ये साब बीते युग के आदर्शों का रोना रोते हुए इस्तीफा दे गए तो इनकी अक्ल का मातम ही मनाया जा सकता है। देखो न एक भी हाथ उनके समर्थन में नहीं उठा, किसी समूह ने उनके हक में धरना नहीं लगाया। वे लोग, जब से होश संभाली, अपने साथ होती ऊंच-नीच के विरोध में धरना लगाने की बस सोचते रहे हैं, लेकिन ऐसी बातों पर भी कोई धरना लगाता है कि आपको सही जगह पढने के लिए नहीं मिली।

दृष्टि कोण

बैंकिंग तंत्र में बढ़ता बट्टा खाता और फ्रॉड

बैंकिंग व्यवस्था किसी भी राष्ट्र के आर्थिक ढांचे की रीढ़ मानी जाती है। यह केवल धन के लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों की मेहनत की कमाई, भविष्य की सुरक्षा और आर्थिक विश्वास का आधार भी है। जब आम आदमी अपनी जीवनभर की बचत बैंक में जमा करता है, तो उसके पीछे केवल आर्थिक व्यवहार नहीं, बल्कि व्यवस्था पर गहरा भरोसा भी जुड़ा होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारतीय बैंकिंग तंत्र के सामने बढ़ते बट्टा-खाते, एनपीए और बैंकिंग फ्रॉड ने इस भरोसे को गंभीर चुनौती दी है। आरटीआई और संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2014 से 2023 के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने लगभग 25 लाख करोड़ रुपए के ऋण बट्टा खाते में डाले। यह राशि इतनी विशाल है कि इससे देश के अनेक बड़े बुनियादी ढांचा प्रकल्प खड़े किए जा सकते थे। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि इस राशि में से औसतन केवल 10 प्रतिशत के आसपास ही प्रभावी वसूली हो सकी। यद्यपि 'राइट-ऑफ' को सीधे कर्जमाफी नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि यह बैंकिंग की तकनीकी प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत लंबे समय से डिफॉल्ट खातों को बैलेंस शीट से हटाया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यूपीए शासनकाल में वार्षिक औसत बट्टा-खाता लगभग 34 हजार करोड़ रुपए था, जबकि हाल के वर्षों में यह औसत बढक़र लगभग 2.77 लाख करोड़ रुपए प्रतिवर्ष तक पहुंच गया। इसके बावजूद भारतीय बैंकिंग क्षेत्र ने सुधार की दिशा में कुछ सकारात्मक उपलब्धियां भी हासिल की हैं। मार्च 2018 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का सकल एनपीए अनुपात 14.58 प्रतिशत तक पहुंच गया था, जो सितंबर 2024 तक घटकर लगभग 3.12 प्रतिशत रह गया। इसी प्रकार देश का कुल सकल एनपीए अनुपात लगभग 2.5 प्रतिशत के स्तर तक आ गया है, जिसे अपेक्षाकृत संतोषजनक माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में बैंकों द्वारा लगभग 6.82 लाख करोड़ रुपए की वसूली भी की गई है। इन सुधारों के पीछे इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, एनसीएलटी, डीआरटी और कठोर ऋण मानकों जैसी व्यवस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्ष 2026 में भारतीय बैंकिंग प्रणाली नए अवसरों के साथ नई चुनौतियों का भी सामना कर रही है। वर्तमान में ऋण-जमा अनुपात लगभग 79 से 82 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार बैंकिंग परिसंपत्तियां अब देश की जीडीपी के लगभग 94 प्रतिशत के बराबर हो चुकी हैं। दूसरी ओर असुरक्षित ऋण बढक़र लगभग 46.9 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गए हैं, जो कुल ऋण का लगभग 24.5 प्रतिशत हिस्सा हैं। आज बैंकिंग व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती केवल एनपीए नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ता डिजिटल फ्रॉड भी है। वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 34771 करोड़ रुपए से अधिक के बैंकिंग फ्रॉड के मामले सामने आए। डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन बैंकिंग के विस्तार के साथ साइबर अपराधियों के तौर-तरीके भी अधिक आधुनिक और खतरनाक हो गए हैं। 'डिजिटल गिरफ्तारी' जैसे नए अपराधों में ठग पुलिस या सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को डराते हैं और उनसे धन वसूलते हैं। इसके अतिरिक्त एआई आधारित सिंथेटिक पहचान, फर्जी यूपीआई रिक्वेस्ट, क्यूआर कोड फ्रॉड और मनी म्यूल खातों का उपयोग बैंकिंग अपराधों को और जटिल बना रहा है। कई मामलों में लोग अनजाने में अपने बैंक खातों को अवैध धन हस्तांतरण का माध्यम बना देते हैं। यही कारण है कि आरबीआई अब एआई आधारित निगरानी प्रणाली, रियल-टाइम ट्रांजैक्शन मॉनिटरिंग और फर्जी खातों की पहचान पर विशेष जोर दे रहा है।

एस्टन विला के खिलाफ मोहम्मद सलाह की वापसी तय, कुछ मिनट ही खेल पाएंगे : आर्ने स्लाट

लंदन

लिवरपूल के स्टार फारवर्ड मोहम्मद सलाह एस्टन विला के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। टीम के मुख्य कोच आर्ने स्लाट ने गुरुवार को पुष्टि की कि शुक्रवार को एस्टन विला के खिलाफ मैच के लिए मोहम्मद सलाह उपलब्ध रहेंगे, लेकिन वह केवल कुछ मिनट ही खेल पाएंगे।

उम्मीद है कि वह मैदान पर उतरेंगे। स्लाट ने टीम के अन्य खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि गोलकीपर एलिसन बेकर ने टीम के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन उनके खेलने पर अंतिम फैसला मैच से पहले लिया जाएगा। वहीं फ्लोरियन विर्ट्ज पेट के संक्रमण से जूझ रहे हैं और एंटीबायोटिक्स ले रहे हैं।

अपने भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर स्लाट ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि मैं अगले सीजन भी लिवरपूल का मैनेजर रहूंगा। मेरा क्लब के साथ अनुबंध है और क्लब के साथ हमारी बातचीत सकारात्मक रही है। जब आप लीग नहीं जीतते तो आलोचना होना स्वाभाविक है और हमें इसे स्वीकार करना होगा।

मोहम्मद सलाह पिछले महीने क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ मुकाबले में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण मैदान से बाहर हो गए थे। इसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि उनका सीजन खत्म हो सकता है और संभवत: लिवरपूल के लिए उनका करियर भी समाप्ति की ओर है, क्योंकि मिस्त्र के स्टार खिलाड़ी के सीजन के अंत में क्लब छोड़ने की चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि, बाद में क्लब ने स्पष्ट किया था कि उनकी चोट उतनी गंभीर नहीं है जितनी शुरुआत में आशंका जताई गई थी।

प्रीमियर लीग अंक तालिका में लिवरपूल और एस्टन विला दोनों 59 अंकों के साथ क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। लिवरपूल यदि यह मुकाबला जीतता है, तो अगले सीजन के यूएफा चैंपियंस लीग में अपनी जगह लगभग पक्की कर सकता है।

हालांकि, इस सीजन में लिवरपूल उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया और टीम किसी भी बड़े खिताब से दूर रही। पिछले सीजन की सफलता को दोहराने में असफल रहने के बाद कोच आर्ने स्लाट के भविष्य को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। लिवरपूल का इस सीजन का अंतिम लीग मुकाबला 24 मई को ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप रेस में विराट कोहली तीसरे स्थान पर पहुंचे, पर्पल कैप की रेस में भुवनेश्वर शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस लगातार रोमांचक होती जा रही है। रायपुर में खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुकाबले के बाद दोनों सूचियों में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

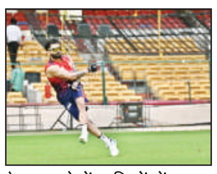

ऑरेंज कैप की दौड़ में विराट कोहली की बड़ी छलांग आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने केकेआर के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए टीम को 193 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाया। इस पारी के साथ कोहली ऑरेंज कैप की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली ने इस सीजन 12 पारियों में 165.75 के स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए हैं। उनसे आगे सिर्फ गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन (501 रन) और सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन (508 रन) हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ में इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 477 रन बनाकर पांचवें स्थान पर मौजूद हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 467 रन के साथ छठे नंबर पर हैं। पर्पल कैप में भुवनेश्वर कुमार नंबर-1 गेंदबाजों की सूची में आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पर्पल कैप की दौड़ में बढ़त बना ली है। केकेआर के खिलाफ उन्होंने 1 विकेट हासिल किया, जिसके बाद उनके कुल विकेट 22 हो गए हैं। भुवनेश्वर ने इस प्रदर्शन के साथ गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 21 विकेट हैं। पर्पल कैप की सूची में चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 19 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान, कोलकाता नाइट राइडर्स के कार्तिक त्यागी और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा के नाम 16-16 विकेट दर्ज हैं।

एंड्रयू फ्लिंटाफ बन सकते हैं सिडनी थंडर के नए मुख्य कोच, जल्द हो सकती है आधिकारिक घोषणा

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी सिडनी थंडर जल्द ही इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज आलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटाफ को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त कर सकती है।

आस्ट्रेलियाई खेल वेबसाइट कोड स्पोर्ट्स के अनुसार फ्लिंटाफ इस पद की दौड़ में सबसे आगे रहे और अब उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है। सिडनी थंडर पिछले कोच ट्रेवर बेलिस से अलग होने के बाद नए मुख्य कोच की तलाश में थी। इंग्लैंड को 2019 वनडे विश्व कप जिताने वाले बेलिस ने पांच वर्षों तक टीम का मार्गदर्शन किया था। उनके कार्यकाल में टीम 2024-25 सीजन के फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन 2023-24 और 2025-26 सीजन में सिडनी थंडर अंतिम स्थान पर रही। ट्रेंट कोपलैंड, जो सिडनी थंडर के महाप्रबंधक हैं, ने बेलिस के जाने के बाद कहा था कि टीम विश्वस्तरीय टी20 कोच की तलाश कर रही है और अब फ्लिंटाफ के रूप में टीम को बड़ा नाम मिलने जा रहा है। एंड्रयू फ्लिंटाफ पिछले एक साल से इंग्लैंड लायंस टीम के कोच के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड लायंस टीम का नेतृत्व भी किया था। इसके अलावा फ्लिंटाफ इंग्लैंड की सीमित ओवर टीम के साथ सलाहकार की भूमिका भी निभा चुके हैं।

अमेरिकी दिग्गज वीनस विलियम्स 45 साल की उम्र में करेंगी फ्रेंच ओपन में वापसी, हेली बैपटिस्ट के साथ खेलेंगी महिला युगल

नई दिल्ली। अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स एक बार फिर ग्रैंड स्लैम कोर्ट पर नजर आएंगी। 45 वर्षीय वीनस इस महीने शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन 2026 में महिला युगल मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। वह युवा अमेरिकी खिलाड़ी हेली बैपटिस्ट के साथ जोड़ी बनाकर खेलेंगी, जो उनसे 21 साल छोटी हैं। फ्रेंच ओपन आयोजकों ने बुधवार को महिला युगल स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की, जिसमें वीनस विलियम्स और हेली बैपटिस्ट की जोड़ी भी शामिल है। रोलां गैरां में होने वाला यह प्रतिष्ठित क्ले कोर्ट टूर्नामेंट 24 मई से शुरू होगा। हालांकि वीनस इस बार महिला एकल वर्ग में हिस्सा नहीं लेंगी। वीनस विलियम्स ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन में वाइल्ड कार्ड के जरिए वापसी की थी, जहां वह पहले दौर में हार गई थीं। इसके साथ ही वह आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रा में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी भी बनी थीं।

6 बॉल में चाहिए थे 15 रन, तिलक वर्मा-विल जैक्स ने पंजाब के मुंह से छीनी जीत

धर्मशाला: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 58वां मुकाबला पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच आज यानी 14 मई को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट ऐसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया।

इस मैच को मुंबई इंडियंस ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। एमआई की इस सीजन यह चौथी जीत थी। हालांकि वे 8 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में अब भी 8वें पायदान पर ही हैं।

दूसरी ओर, पंजाब किंग्स की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने इस सीजन की शुरुआत तो धमाकेदार अंदाज में की थी।

लेकिन, वो अब लगातार पांच मैच हार चुके हैं। पंजाब 12 मैच में 13 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे पायदान पर है। उनको 16 अंक तक पहुंचने के लिए बचे हुए अपने दोनों मैच जीतने होंगे।

तिलक वर्मा ने खेली मैच विनिंग नॉक

201 रन का टारगेट मुंबई इंडियंस ने 6 विकेट और 1 गेंद रहते चेज कर लिया। एमआई के लिए युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने शानदार पारी खेली। उन्होंने 33 गेंद में 6 चौके और 6 छक्के की मदद से नाबाद 75 रन ठोके। उनका स्ट्राइक रेट 227.27 का रहा।

तिलक के अलावा रयान रिकेल्टन ने 208.70 के स्ट्राइक रेट से 48 रन बनाए। अंत में विल जैक्स ने भी तिलक का अच्छा साथ दिया और 2 चौके और 2 छक्के की मदद से 10 गेंद में नाबाद 25 रन बनाए। पंजाब किंग्स के लिए 2 विकेट अजमतुल्लाह उमरजई ने लिए। 1-1 विकेट मार्को यानसन और युजवेंद्र चहल ने लिया।

कुछ ऐसी रही पंजाब किंग्स की पारी

गुरुवार को एचपीसीए स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था, जिसके जवाब में पंजाब किंग्स ने 8 विकेट खोकर 200 रन बनाए। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 5.3 ओवरों में 50 रन की साझेदारी की। प्रियांश 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद प्रभसिमरन ने कूपर कोनोली के साथ 35 गेंदों में 57 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

प्रभसिमरन 32 गेंदों में 4 छक्कों और 6 चौकों के साथ 57 रन की पारी खेलकर आउट हुए। यहां से विकेटों का पतझड़ शुरू हो गया। आलम ये रहा कि इस टीम ने 140 के स्कोर तक अपने 7 विकेट गंवा दिए थे। इस बीच अजमतुल्लाह ओमरजाई ने मोर्चा संभालते हुए 17 गेंदों में 38 रन बनाए। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 2 चौके शामिल रहे। अंतिम ओवरों में विष्णु विनोद ने जैवियर बार्टलेट के साथ 12 गेंदों में 34 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को दोहरे शतक तक पहुंचाया। विष्णु 8 गेंदों में 15 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बार्टलेट ने 7 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 18 रन की नाबाद पारी खेली। मुंबई इंडियंस की तरफ से शार्दुल ठाकुर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि दीपक चाहर ने 2 विकेट निकाले। कॉर्बिन बॉश और राज बावा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

थाईलैंड ओपन : पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में, सात्विक-चिराग की जोड़ी भी आगे बढ़ी

बैंकाक

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ियों पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और टूर्नामेंट की छठी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने महिला एकल के दूसरे दौर में डेनमार्क की अमाली शुल्ज को सीधे गेमों में 21-13, 21-15 से हराया। सिंधु ने यह मुकाबला महज 28 मिनट में अपने नाम किया।

अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची से होगा, जहां भारतीय स्टार के सामने कड़ी चुनौती रहने वाली है।

पुरुष एकल वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने चीन के झू शुआन चेन को 21-12, 21-13 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। 39 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया।

क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन का मुकाबला चीनी ताइपे के ली चिया हाओ और थाईलैंड के दूसरी वरीयता प्राप्त कुनलावुत वितिदसर्न के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पुरुष युगल में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मलेशिया की ब्रायन जेरेमी गूंटिंग और मोहम्मद हैकल की जोड़ी को 21-12, 21-19 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व नंबर-4 भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला 44 मिनट में जीता।

अब अगले दौर में सात्विक-चिराग का सामना जापान की छठी वरीयता प्राप्त ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की जोड़ी से होगा।

हालांकि, युवा भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग का अभियान दूसरे दौर में समाप्त हो गया। इस साल थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका को मेजबान थाईलैंड की पिचामोन ओपाटनिपुथ ने 23-21, 21-11 से हराया।

दिन में आगे भारत के पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत भी चीनी ताइपे के सू ली यांग के खिलाफ अपने दूसरे दौर का मुकाबला खेलेंगे।

दिल्ली को ग्लोबल स्पोर्ट्स हब बनाने पर चर्चा, कपिल देव ने दिया सहयोग का भरोसा

नई दिल्ली। भारत के महान क्रिकेटर और प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष कपिल देव ने बुधवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू से मुलाकात की। इस दौरान राजधानी दिल्ली को विश्वस्तरीय ग्लोबल सिटी के रूप में विकसित करने में गोल्फ की संभावित भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पीजीटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार की उन योजनाओं और पहलों का जिक्र किया, जिनका उद्देश्य राजधानी की अंतरराष्ट्रीय पहचान और वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करना है। उन्होंने इस दिशा में कपिल देव से सहयोग की अपील भी की। कपिल देव ने कहा कि दिल्ली में गोल्फ के विकास के लिए मजबूत आधार पहले से मौजूद है और वह ऐसे किसी भी प्रयास में अपना समय और सहयोग देने के लिए तैयार हैं, जो राजधानी की वैश्विक छवि को बेहतर बनाने में मदद करे। उन्होंने कहा कि खेल किसी भी शहर की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

ईस्ट ज़ोन इंटर स्कूल ओपन कराटे प्रतियोगिता के पदक विजेताओं को किया गया सम्मानित

वाराणसी

ईस्ट ज़ोन इंटर स्कूल ओपन कराटे प्रतियोगिता 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को कानिनज़ुकु आरबी मार्शल आर्ट्स अकादमी की ओर से गुरुवार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह खिलाड़ियों की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. प्रभाकर शर्मा तथा असिस्टेंट प्रोफेसर मुकेश कुमार ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 13 मई तक संत अतुलानंद कान्वेंट स्कूल, कोइराजपुर वाराणसी में किया गया था।

सम्मानित खिलाड़ियों में स्वर्ण पदक विजेता शिवाक्षी त्रिगुण, अधीता वर्मा, अद्रिजा उपाध्याय, आर्याही सहगल, शिवेश शर्मा, आयुष राय, आरुषि वर्मा, अनुष्का कुमारी और आरुष देव वर्मा शामिल रहे। रजत पदक विजेताओं में अदिति अहेरवार और सताक्षी त्रिगुण को सम्मानित किया गया। कांस्य पदक विजेता अरिंदम उपाध्याय और राघव त्रिपाठी को भी सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर टीम कोच अदिति सोनकर भी मौजूद रहीं। सम्मान समारोह में खिलाड़ियों के अभिभावकों, प्रशिक्षकों तथा अन्य खिलाड़ियों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और उपलब्धियों की सराहना की गई। अकादमी के कोच अरविंद कुमार यादव ने कहा कि खेल बच्चों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। कराटे जैसे खेल बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और मानसिक मजबूती विकसित करते हैं। साथ ही खेल भावना के जरिए बच्चों का शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास भी होता है। खिलाड़ियों की यह सफलता निरंतर अभ्यास, समर्पण और सकारात्मक सोच का परिणाम है, जो अन्य बच्चों को भी खेलों के प्रति प्रेरित करेगी।

भारतीय जूनियर पुरुष हाकी टीम के नए कोच बने फ्रेडरिक सोयेज

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने गुरुवार को फ्रांस के अनुभवी कोच फ्रेडरिक सोयेज को भारतीय जूनियर पुरुष हाकी टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भारत के 2036 ओलंपिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए मजबूत और दीर्घकालिक हाई-परफार्मेंस ढांचा तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

यूरोपीय हाकी के सबसे अनुभवी और सफल कोचों में गिने जाने वाले फ्रेडरिक सोयेज के पास तीन दशक से अधिक का अनुभव है। वह 15 वर्षों तक फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहे, जबकि पिछले 15 वर्षों से विश्व स्तरीय हाकी टीमों के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं।

फ्रेडरिक सोयेज ने 1995 से 2010 तक फ्रांस के लिए खेलते हुए 196 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 195 गोल दागे। इसके बाद उन्होंने फ्रांस और स्पेन की राष्ट्रीय पुरुष हाकी टीमों को कोचिंग दी। वह तीन ओलंपिक खेलों का अनुभव भी रखते हैं। उन्होंने स्पेन टीम को रियो 2016 और टोक्यो 2020 ओलंपिक में मार्गदर्शन दिया, जबकि पेरिस 2024 ओलंपिक में फ्रांस टीम के मुख्य कोच रहे।

उनकी कोचिंग में स्पेन ने 2019 यूरोपीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। इसके अलावा टीम ने रियो और टोक्यो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया।

युवा खिलाड़ियों को निखारने में भी सोयेज का रिकार्ड शानदार रहा है। उन्होंने 2013 में दिल्ली में आयोजित एफआईएच जूनियर पुरुष हाकी विश्व कप में फ्रांस को ऐतिहासिक रजत पदक दिलाया था। हाल ही में उन्होंने 2025 यूरोपीय चैंपियनशिप में फ्रांस की अंडर-18 पुरुष टीम को भी रजत पदक तक पहुंचाया।

सोयेज 2021 से 2024 तक फ्रेंच हाकी फेडरेशन के हाई-परफार्मेंस निदेशक भी रहे, जहां उन्होंने खिलाड़ियों के विकास और प्रदर्शन प्रणाली की जिम्मेदारी संभाली।

उनके कोचिंग करियर में दो एफआईएच पुरुष हाकी विश्व कप (2018 और 2023) तथा छह यूरोपीय चैंपियनशिप शामिल हैं। घरेलू स्तर पर उन्होंने लिले एमएचसी क्लब को 2012 में फ्रेंच इंडोर और आउटडोर चैंपियनशिप खिताब भी दिलाए।

फ्रेडरिक सोयेज को हाई-परफार्मेंस सिस्टम, खिलाड़ी विकास और पेनल्टी कार्नर रणनीति के विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। उनकी टीमों की खास पहचान मजबूत रणनीति और निरंतर प्रदर्शन रही है।

हाकी इंडिया अध्यक्ष डा. दिलीप तिर्की ने कहा, हम फ्रेडरिक सोयेज का हाकी इंडिया परिवार में स्वागत करते हैं। उनके पास ओलंपिक, विश्व कप और यूरोपीय चैंपियनशिप का व्यापक अनुभव है। हमें विश्वास है कि उनका अनुभव भारतीय हाकी को 2036 ओलंपिक के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में मजबूती देगा।

उन्होंने आगे कहा कि हाकी इंडिया का उद्देश्य सिर्फ तत्काल परिणाम हासिल करना नहीं, बल्कि सब-जूनियर से लेकर सीनियर स्तर तक एक मजबूत और एकीकृत कोचिंग संरचना तैयार करना है। हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक खिलाड़ियों के लिए एक मजबूत विकास प्रणाली तैयार करना है। फ्रेडरिक सोयेज का अनुभव भारतीय जूनियर हाकी कार्यक्रम को नई दिशा देगा और भविष्य के लिए मजबूत प्रतिभा तैयार करने में मदद करेगा।

कुछ निवेशक ने पत्रकारिता की गुणवत्ता और दायरा बढ़ाने में किया निवेश

फिल्म 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' पत्रकारिता की रवायत को बचाने की कहानी

नई दिल्ली

डेविड फ्रैंकल निर्देशित फिल्म 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' फैशन की दुनिया के बारे में नहीं बल्कि पत्रकारिता की रवायत को बचाने से जुड़ी है।2006 की उस सुपरहिट फिल्म का सीक्वल, जिसकी कहानी फैशन की दुनिया पर आधारित थी, लेखन, तथ्यों और लोगों तक अनकही कहानियां पहुंचाने के माध्यम की स्तुति है। फिल्म की एक किरदार, ऐंडी सैक्स इस फिल्म में एक फैशन पत्रिका, 'रनवे' में फीचर संपादक के रूप में नजर आई। पहली फिल्म में वह मिरांडा प्रिस्टली की सहयोगी थीं, जो एक सख्त लेकिन सफल संपादक की भूमिका में थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित तौर पर अब कहानी वर्ष 2026 की है। डिजिटल दौर ने प्रकाशन संस्थानों की दुनिया पर व्यापक और गहरा असर डाला है। इन प्रकाशन कंपनियों के सलाहकार लागत घटाने, कर्मचारी और फीचर आदि को कम करने में लगे हुए हैं। काफी संघर्ष के बाद, सैक्स और प्रिस्टली को एक निवेशक मिल जाता है जो उस तरह की पत्रकारिता के लिए फंड देने को तैयार हैं जिसे वे करना चाहती हैं और इस तरह कहानी खुशनुमा मोड़ पर खत्म होती है।

बता दें अगस्त 2013 में, मशहूर निवेशक जेफ बेजोस ने वॉशिंगटन पोस्ट को 25 करोड़ डॉलर नकद में खरीद लिया। उन्होंने इसे डिजिटल बनाने के साथ ही इसे मुनाफे में लाने में सफलता पाई और बार-बार इसके संपादकीय रुख के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई, लेकिन वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनावों से पहले, परंपरा तोड़ते हुए उन्होंने कहा कि यह अखबार डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन नहीं करेगा।

इसके अलावा कर्मचारियों में एक-तिहाई कटौती की गई और अखबार की संपादकीय नीति बदल गई। अन्य निवेशकों ने भी स्थानीय समाचार पत्रों को खरीदते समय यही किया यानी लागत कम करने के साथ ही कर्मचारियों में कटौती की और ब्रांड मूल्य को शून्य के स्तर पर पहुंचा दिया। हालांकि कुछ निवेशक ऐसे भी रहे जिन्होंने पत्रकारिता की गुणवत्ता और उसके दायरे को बढ़ाने में निवेश किया जैसे कि फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के जॉन हेनरी ने 'द बॉस्टन ग्लोब' के जरिये ऐसा किया जिसे उन्होंने 2013 में खरीदा।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक रोक लगाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए कच्ची, सफेद और रिफाइंड चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सितंबर तक लागू रहेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 13 मई को देररात इस आशय की अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार, चीनी निर्यात नीति में बदलाव किया है। सरकार ने आईटीसी (एचएस) कोड 1701 14 90 और 1701 99 90 के तहत चीनी के लिए एक्सपोर्ट नीति को प्रतिबंधित से बदलकर निषिद्ध कर दिया है। इस आदेश में कच्ची चीनी, सफेद चीनी और रिफाइंड चीनी के एक्सपोर्ट को शामिल किया गया है। ये रोक यूरोपीय संघ और अमेरिका को सीएक्सएल और टीआरक्यू कोटे के तहत, एडवांस ऑथराइजेशन स्कीम (एएएस)के तहत, और अन्य देशों की खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दोनों सरकारों के शिपमेंट के जरिए किए जाने वाले चीनी निर्यात पर लागू नहीं होगी। यही नहीं, जो खेप पहले से ही निर्यात की प्रक्रिया में हैं, उसे भी इस रोक से छूट दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक अगर इसे सितंबर से आगे नहीं बढ़ाया जाता है, तो एक्सपोर्ट नीति वापस प्रतिबंधित श्रेणी में आ जाएगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र ने पहले मिलों को 1.59 मिलियन टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष खपत से कम रहने की उम्मीद है। प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में गन्ने की पैदावार कमजोर हुई है।

समय के साथ भारत ने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को किया मंजूर

नई दिल्ली

कर्नाटक ने 2023 में कारखाना श्रमिकों के लिए 12 घंटे की शिफ्ट की अनुमति दी तब ट्रेड यूनियनों ने जिनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में तर्क दिया कि यह बदलाव भारत की उस प्रतिबद्धता का उल्लंघन है जो उसने आईएलओ के काम के घंटे समझौते 1919 के तहत जताई थी। इसके तहत श्रमिकों को अधिकतम प्रतिदिन आठ घंटे और प्रति सप्ताह 48 घंटे काम करने का प्रावधान है। इस प्रकार जो बहस घरेलू स्तर पर उत्पादकता, वेतन और श्रमिकों की पसंद के बीच संतुलन पर होनी चाहिए थी वह एक अंतरराष्ट्रीय मामले में बदल गई।

यह अपनी तरह की कोई इकलौती घटना नहीं है। यह एक सदी पहले लिए गए फैसला का परिणाम है। भारत ने काम के घंटों को लेकर खुद को आईएलओ के नियमों के सबसे हस्तक्षेपकारी हिस्से से आबद्ध कर लिया था। भारत आईएलओ का संस्थापक सदस्य है और वह 1922 से ही उसकी संचालन संस्था का स्थायी सदस्य रहा है। समय के साथ हमने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को मंजूर किया। इनमें से 39 अभी तक जारी हैं।

यह समस्या उतनी गंभीर नहीं होती यदि यह समझौता सार्वभौमिक सहमति को दर्शाता। आईएलओ के 187 सदस्य देशों में से केवल 52 ने सी001 को अनुमोदित किया है और केवल 30 ने इसके साथ जुड़े काम के घंटे समझौते, 1930 (सी030) को अनुमोदित किया है। प्रमुख विनिर्माण शक्तियों जैसे अमेरिका, जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया और वियतनाम ने सी001 को अनुमोदित नहीं किया है। वहीं न्यूजीलैंड ने विपरीत रास्ता अपनाया। कई दशकों तक इस संधि का पालन करने के बाद उसने इसे नामंजूर कर दिया और अब कार्य समय को राष्ट्रीय कानून और सामूहिक सौदेबाजी के जरिए नियंत्रित करता है।

भारत एक बड़ा, औद्योगीकरण की प्रक्रिया में शामिल श्रम-संपन्न अर्थतंत्र है जिसने स्वयं को 1919 के युग की कार्य समय संधि के अधीन कर लिया है, जिसे इसके अधिकांश निर्यात प्रतिस्पर्धियों ने टाल दिया है। केवल कार्य समय ही नहीं, बल्कि भारत ने अपनी 47 अनुमोदित संधियों के साथ अन्य बड़े विनिर्माण देशों की तुलना में कहीं ज्यादा सक्रियता दिखाई है। जैसे अमेरिका ने 14 और चीन ने 28 को ही किया है। भारत के संविधान में श्रम को समवर्ती सूची में रखा गया है। आईएलओ की संधियां केवल सिफारिशें नहीं हैं। आईएलओ का प्रत्यक्ष शिकायत तंत्र और त्रिपक्षीय स्वरूप उसको संयुक्त राष्ट्र की अन्य संस्थाओं से अलग बनाता है। किसी भी नियोक्ता या श्रमिक संगठन, किसी अन्य सदस्य राज्य, अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के किसी प्रतिनिधि, या आईएलओ की अपनी संचालन संस्था द्वारा शिकायत या प्रस्तुति दर्ज की जा सकती है। गंभीर और लगातार मामलों में यह एक आयोगीय जांच का रूप ले सकता है। यदि कोई सरकार आयोग की सिफारिशों को लागू करने से सहमत नहीं होती, तो आईएलओ की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन को 'ऐसी कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है जिसे वह उचित और आवश्यक समझे।' आईएलओ के फैसले व्यापार और सहायता की शर्तों में भी शामिल होते हैं। विशेषकर यूरोपीय संघ के साथ और ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण बन सकते हैं।

सरकार ने बढ़ाया धान का एमएसपी

अब 2,441 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा समर्थन मूल्य

केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति का फैसला

किसानों को 2.60 लाख करोड़ रुपये भुगतान का अनुमान

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने खरीफ विपणन सत्र 2026-27 के लिए धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी कर दी है। अब सामान्य धान का एमएसपी 2,441 रुपये प्रति क्विंटल होगा। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में लिया गया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि ए-ग्रेड धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। नई दरें खरीफ विपणन सत्र 2026-27 के दौरान लागू होंगी, जिसकी शुरुआत सितंबर-अक्टूबर से होगी। सरकार का कहना है कि लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान का एमएसपी उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक रखा गया है, ताकि किसानों को बेहतर आमदनी मिल सके और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद किसानों को अनुमानित रूप से 2.60 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। सरकार ने आगामी सीजन में करीब 824.41 लाख टन धान की खरीद का लक्ष्य रखा है।

क्या है एमएसपी- धान देश की प्रमुख खरीफ फसलों में शामिल है और इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य हर वर्ष केंद्र सरकार द्वारा तय किया जाता है। एमएसपी वह दर होती है जिस पर सरकार किसानों से फसल खरीदने की गारंटी देती है, ताकि बाजार में कीमतें गिरने की स्थिति में किसानों को नुकसान न उठाना पड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि एमएसपी में बढ़ोतरी से किसानों को राहत मिलेगी, हालांकि बढ़ती उत्पादन लागत और महंगाई को देखते हुए कुछ किसान संगठनों ने अधिक वृद्धि

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रतिद्वंद्वी नहीं...

उन्होंने कहा कि अमेरिका के संस्थापक नेताओं में शामिल बेंजामिन फ्रैंकलिन ने चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस के विचारों को लोगों तक पहुंचाया था। वहीं चीन के लोगों ने अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की स्मृति में एक स्मारक पत्थर भेंट किया था, जिसमें उन्हें महान नेता और सेनापति बताया गया था। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाली रेलवे लाइन के निर्माण में चीनी मजदूरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं अमेरिका से चीन गए यात्रियों ने वहां शिक्षा और आधुनिक चिकित्सा के प्रसार में मदद की। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सहायता से चीन की प्रसिद्ध त्सिंगहुआ यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी, जहां शी जिनपिंग ने अध्ययन किया।

ट्रम्प की चीन यात्रा के बीच बीजिंग ने 15 महीने बाद अमेरिकी बीफ आयात को दोबारा मंजूरी दे दी है। चीन ने सैकड़ों अमेरिकी मीट प्रोसेसिंग कंपनियों को नए निर्यात लाइसेंस जारी किए हैं। यह फैसला ट्रम्प और जिनपिंग की बैठक से ठीक पहले लिया गया। वर्ष 2020 में चीन ने 300 से अधिक अमेरिकी कंपनियों को बीफ निर्यात की अनुमति दी थी, लेकिन मार्च 2025 में उनकी मंजूरी का नवीनीकरण नहीं किया गया था। इसे ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए शुरुआती टैरिफ के जवाब के रूप में देखा गया था।

रिश्तों को स्थिर और रणनीतिक बनाने पर सहमति

ट्रम्प और जिनपिंग ने अमेरिका-चीन संबंधों को रचनात्मक, रणनीतिक और स्थिर बनाने पर सहमति व्यक्त की। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों ने संबंधों के लिए नए ढांचे पर सहमति बनाई है, जो अगले तीन वर्षों और उससे आगे तक संबंधों को दिशा देगा।

बैठक के दौरान जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों की आर्थिक और व्यापारिक टीमों के बीच सकारात्मक एवं संतुलित परिणाम सामने आए हैं तथा इस सकारात्मक माहौल को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना आवश्यक है।

विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति के साथ रक्षा मंत्री की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि रक्षा और रणनीतिक मुद्दे दोनों देशों के संबंधों के केंद्र में हैं। चीन लंबे समय से चाहता है कि अमेरिका ताइवान को हथियारों की आपूर्ति सीमित करे, जबकि अमेरिका चाहता है कि चीन ईरान पर प्रभाव डालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने में भूमिका निभाए।

15 रुपये तक...

दिल्ली में ईंधन कीमतों को लेकर लोगों की राय अलग-अलग दिखी। यात्री नीरज जैन ने कहा कि यदि देशहित में कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी करनी पड़े तो यह स्वीकार्य है, जबकि अन्य लोगों ने महंगाई का हवाला देते हुए किसी भी प्रकार की वृद्धि का विरोध किया।

नोएडा में पेट्रोल पंप संचालक अक्षय धामा ने कहा कि फिलहाल स्थिति सामान्य है और मांग के अनुसार सप्लाई मिल रही है। वहीं कुछ उपभोक्ताओं ने संभावित मूल्य वृद्धि को राष्ट्रीय हित से जोड़ते हुए समर्थन भी जताया।

गाजियाबाद में लोगों ने आशंका व्यक्त की कि पेट्रोल-डीजल के दाम 5 से 10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकते हैं। कुछ लोगों ने 40 से 50 रुपये तक बढ़ने की आशंका भी जताई। लोगों का कहना था कि ईंधन महंगा होने से रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम भी बढ़ जाएंगे।

गुरुग्राम में पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष यादव ने कहा कि तेल कंपनियों को हो रहे नुकसान के चलते पेट्रोल की कीमतों में 15 से 20 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल में 10 से 15 रुपये तक बढ़ोतरी संभव है। हालांकि उन्होंने कहा कि कंपनियां एक साथ पूरा बोझ डालने के बजाय धीरे-धीरे कीमतें बढ़ा सकती हैं।

फरीदाबाद में पेट्रोल पंप प्रबंधक ताराकांत मंडल ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और सरकार अब तक सब्सिडी देकर स्थिति संभाल रही है। वहीं ग्राहकों ने कहा कि यदि कीमतें बढ़ीं तो यात्रा और परिवहन खर्च काफी बढ़ जाएगा।

सोनीपत में भी लोगों ने आशंका जताई कि 15 मई के बाद कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

राजस्थान और गुजरात में नो स्टॉक बोर्ड

राजस्थान के अलवर में पेट्रोल पंप संचालकों ने बताया कि उन्हें समय पर पेट्रोल-डीजल की सप्लाई नहीं मिल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के कई पंपों पर ईंधन खत्म होने के बोर्ड लगाए गए हैं। लोगों ने कहा कि पेट्रोल 5 से 15 रुपये तथा डीजल 10 से 20 रुपये तक महंगा हो सकता है।

गुजरात के सूरत में लोगों ने आशंका जताई कि पेट्रोल 10 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। कुछ लोगों ने कहा कि सरकार माहौल ऐसा बना रही है जिससे लोगों में चिंता बढ़ रही है।

महिसागर जिले में कई पेट्रोल पंपों पर नो स्टॉक के बोर्ड लगे दिखाई दिए, जिससे ग्राहकों को परेशानी उठानी पड़ी। वहीं बनासकांठा में लगातार दूसरे दिन भी पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध नहीं हो पाया। लोग एक पंप से दूसरे पंप तक भटकते नजर आए।

उत्तर प्रदेश और बिहार में अफवाहों से बढ़ी भीड़

वाराणसी में पेट्रोल पंप प्रबंधक आशीष पटेल ने कहा कि फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, लेकिन भविष्य में संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ उपभोक्ताओं ने प्रधानमंत्री की अपील के अनुरूप जरूरतों में कटौती की बात कही, जबकि अन्य लोगों ने कहा कि कीमत चाहे जितनी बढ़े, पेट्रोल भरवाना मजबूरी है।

कानपुर में लोग बड़ी संख्या में अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल करवाते नजर आए। कई लोगों का मानना था कि कीमतें 10 से 12 रुपये तक बढ़ सकती हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी कहा कि युद्ध जैसे हालात बने तो पेट्रोल 150 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच सकता है।

पटना में उपभोक्ताओं ने कहा कि चाहे दाम बढ़ें या नहीं, वाहन चलाना मजबूरी है। कामकाजी लोगों ने चिंता जताई कि पहले ही पेट्रोल 114 रुपये प्रति लीटर के आसपास पहुंच चुका है और यदि कीमतें और बढ़ीं तो इसका असर व्यापार और मध्यम वर्ग दोनों पर पड़ेगा।

समस्तीपुर में पेट्रोल पंप संचालकों ने प्लास्टिक डिब्बों में पेट्रोल देना बंद कर दिया है। लोगों में आशंका है कि कीमतों में 10 से 25 रुपये तक वृद्धि हो सकती है।

ओडिशा और छत्तीसगढ़ में अफवाहों से बढ़ी बेचैनी

भुवनेश्वर में पेट्रोल पंप प्रबंधकों ने कहा कि उन्हें कीमतों में वृद्धि की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है और भीड़ केवल अफवाहों के कारण बढ़ी है। ग्राहकों ने भी कहा कि सरकार की आधिकारिक घोषणा के बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वीआईपी चौक के पास स्थित एक पेट्रोल पंप पर दोपहर बाद गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। दोपहिया वाहन, एसयूवी, डिलीवरी वैन और ट्रैक्टर सड़क तक कतार में खड़े दिखाई दिए। एक समय करीब 300 वाहन लाइन में लगे थे।

कई लोग अपने मोबाइल फोन पर व्हाट्सऐप संदेश और वीडियो देखते नजर आए, जिनमें ईंधन संकट और कीमतों में तेज बढ़ोतरी के दावे किए जा रहे थे। बड़ी संख्या में लोग अपनी गाड़ियों की टंकियां पूरी तरह भरवाने पहुंचे थे, ताकि संभावित बढ़ोतरी से पहले ईंधन का भंडारण किया जा सके।

होर्मुज में ...

रिपोर्ट्स के अनुसार जहाज पर चालक दल के कुल 14 सदस्य सवार थे। ओमान की नौसेना ने दावा किया है कि सभी 14 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले का था जहाज

मालवाहक जहाज हाजी अली (चडत कआगख अङख इूख 1492) गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले से संबंधित बताया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय जहाज डूबने की यह दूसरी बड़ी घटना है।

माना जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में जारी तनाव के कारण गुजरात का शिपिंग उद्योग लगातार प्रभावित हो रहा है। इससे पहले एक सप्ताह पूर्व गुजरात का जहाज अल फैज नूर सुलेमानी-1 भी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान और अमेरिका के बीच हुई गोलीबारी के दौरान डूब गया था।

धमाके के बाद लगी आग, लाइफबोट से बचाई गई जान

घटना के अनुसार बुधवार, 13 मई को तड़के लगभग 3:30 बजे यह जहाज सोमालिया के बरबरा से शारजाह की ओर जा रहा था। जब जहाज ओमान के लिमाह क्षेत्र के पास पहुंचा, तभी एक मिसाइल या ड्रोन तेज धमाके के साथ जहाज से टकराया।

हमले के बाद जहाज में भीषण आग लग गई और कुछ ही देर में जहाज समुद्र में डूबने लगा।

ओमान कोस्ट गार्ड ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी भारतीय नाविकों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें ओमान के दीबा बंदरगाह पहुंचाया।

हाजी अली जहाज के मालिक सुल्तान अहमद संघार ने भी पुष्टि की है कि जहाज पर सवार सभी सदस्य सुरक्षित हैं।

हमले की जांच में जुटी ओमान पुलिस

घटना के बाद ओमान पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि जहाज पर हमला किस संगठन या समूह ने किया।

वहीं भारत सरकार अब सुरक्षित बचाए गए भारतीय नाविकों को वापस लाने की प्रक्रिया में जुट गई है।

एक सप्ताह पहले भी डूबा था भारतीय जहाज

इससे पहले भारतीय जहाज अल फैज नूर सुलेमानी-1 8 मई 2026 की रात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच हुई गोलीबारी की चपेट में आ गया था। उस हमले में भी जहाज समुद्र में डूब गया था। वह जहाज दुबई से यमन के मुक्काला जा रहा था।

विदेश मंत्रालय ने जताई कड़ी आपत्ति

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मंत्रालय ने कहा कि ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुआ हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और भारत इसकी कड़ी निंदा करता है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना गंभीर चिंता का विषय है। भारत ने भारतीय चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ओमानी अधिकारियों का आभार भी व्यक्त किया।

मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाना, निर्दोष चालक दल के सदस्यों की जान खतरे में डालना तथा समुद्री व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता में बाधा पहुंचाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

केजरी को ...

कोर्ट ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और अन्य नेताओं द्वारा साझा किए गए सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो का उद्देश्य आम जनता के मन में न्यायपालिका की निष्पक्षता को लेकर संदेह उत्पन्न करना प्रतीत होता है।

अदालत ने यह भी कहा कि यदि केजरीवाल हाईकोर्ट के किसी फैसले से असहमत थे, तो उनके पास सुप्रीम कोर्ट जाने का वैधानिक विकल्प मौजूद था। इसके बजाय उन्होंने सार्वजनिक वीडियो और अभियानों का रास्ता चुना।

अदालत पर प्रभाव का संकेत देना गंभीर

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने टिप्पणी करते हुए कहा कि केजरीवाल ने अपने बयानों में यह संकेत देने का प्रयास किया कि अदालत सरकार, भारतीय जनता पार्टी अथवा सॉलिसिटर जनरल के प्रभाव में काम कर रही है।

अदालत ने सवाल उठाया कि आखिर किस अधिकार से कोई यह दावा कर सकता है कि न्यायालय स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम नहीं है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि केजरीवाल के बयान प्रथम दृष्टया निंदनीय प्रतीत होते हैं और आपराधिक अवमानना के दायरे में आते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि संजीव पाठक के पत्र तथा संजय सिंह और विनय मिश्रा के सोशल मीडिया पोस्ट भी इसी श्रेणी में आते हैं।

सौरभ भारद्वाज के वीडियो पर भी अदालत की सख्त टिप्पणी

अदालत ने सौरभ भारद्वाज द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो पर भी कड़ी टिप्पणी की और उसे परेशान करने वाला वीडियो बताया। कोर्ट ने कहा कि यह वीडियो आम आदमी पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से भी प्रसारित किया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी व्यक्तिगत नाराजगी या भावनात्मक प्रतिक्रिया के कारण नहीं की जा रही है। आदेश में कहा गया कि अदालत सभी पक्षों और वादियों का सम्मान करती है तथा यह निर्णय पूरी आत्मनिरीक्षण प्रक्रिया के बाद संबंधित नेताओं के कृत्यों के आधार पर लिया गया है।

सतीशन केरल...

तीनों नेताओं के समर्थक अपने-अपने पक्ष में जोर लगा रहे थे। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस विधायक दल के अधिकांश सदस्य वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, जबकि पार्टी कार्यकर्ताओं और जमीनी स्तर पर वीडी सतीशन को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त था। वर्ष 2022 की चुनावी हार के बाद पिछले पांच वर्षों में सतीशन कांग्रेस के प्रमुख चेहरे के रूप में उभरे थे। दूसरी ओर केसी वेणुगोपाल को नव निर्वाचित विधायकों के एक बड़े वर्ग का समर्थन प्राप्त था। गांधी परिवार के साथ उनकी करीबी भी एक महत्वपूर्ण राजनीतिक फैक्टर मानी जा रही थी। वीडी सतीशन परावुर विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर छठी बार विधायक बने हैं। वर्ष 2026 के चुनाव में उन्होंने लगभग 20,600 मतों से जीत दर्ज की।

कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन की 102 सीटों की शानदार जीत का श्रेय काफी हद तक सतीशन को दिया जा रहा है। उन्होंने आक्रामक चुनाव प्रचार चलाया और व्यापक सामाजिक एवं राजनीतिक गठबंधन तैयार किया।बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार, शासन संबंधी मुद्दों और आर्थिक चिंताओं को लेकर पिनारयी विजयन के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर हमले की रणनीति भी सतीशन ने ही तैयार की थी।

राहुल गांधी और खड़गे ने किया अंतिम मंथन

मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी असमंजस खत्म करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व लगातार मंथन कर रहा था। गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ अंतिम दौर की चर्चा की।इस बैठक में दीपा दासमुंशी के अलावा वरिष्ठ पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक भी मौजूद रहे। इन नेताओं ने हाल ही में नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात कर उनकी राय जानी थी।बताया गया कि राहुल गांधी ने बुधवार शाम खड़गे के साथ करीब 30 मिनट तक बैठक कर मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर चर्चा की थी। इसके बाद गुरुवार सुबह राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि राहुल गांधी ने वेणुगोपाल को पीछे हटने के लिए राजी किया।

केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन ने 140 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा भूमि पूजन आयोजित

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हेतु भूमि पूजन का आयोजन बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल में किया गया । एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समिति के मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह महायज्ञ गुरुवार 21 मई से 27 मई तक गोल्डन टेम्पल में आयोजित किया जाएगा काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी से यज्ञाचार्य सुनील लक्ष्मीकान्त दीक्षित के नेतृत्व में यह यज्ञ आयोजित किया जा रहा है जिसमे 51 पंडित पूजा एवं यज्ञ संपन्न करवायेंगे । यज्ञ के मुख्य यजमान श्री बद्रीप्रसाद बाबूलाल परिवार के बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती संतोष गुप्ता रहेंगे । रोजाना मुख्य यजमान के अतिरिक्त अन्य 8 यजमान यज्ञ में उपस्थित रहेंगे । यज्ञ एवं पूजा प्रातः 8-30 बजे से 12 बजे तथा पुनः 3-30 बजे से 6-30 बजे तक आयोजित की जाएगी आरती सायं 7 बजे के पश्चात प्रसाद वितरित किया जाएगा । भूमि पूजन का कार्य आचार्य अरविंद गौड़ द्वारा कराया गया । अवसर पर मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता, समिति के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष सी ए रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, भूमि पूजन के संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल, कलश यात्रा के संयोजक सुनील कुमार गुप्ता, कार्यस्थल संयोजक मानक गुप्ता, प्रसाद वितरण संयोजक कैलाश चंद अग्रवाल, संदीप गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार अग्रवाल, अरुण गुप्ता, अजय दोचानिया, सी. ए. सुरेश कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता गण गोविंद कुमार गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, विट्ठल दास अग्रवाल, अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज संघी अन्य महानुभावों में अजय अग्रवाल, पवन कुमार गुप्ता, शिव शंकर गुप्ता, महावीर गुप्ता, लोकेश गुप्ता, अंकित गुप्ता, जय गुप्ता, निखिल गुप्ता, प्रथम गुप्ता, जवाहर लाल सोलंकी, श्रीमती माया अग्रवाल, शकुंतला सोलंकी, शीतल गुप्ता, सुनीता गुप्ता, शिल्पा गुप्ता, प्रतिष्ठा गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

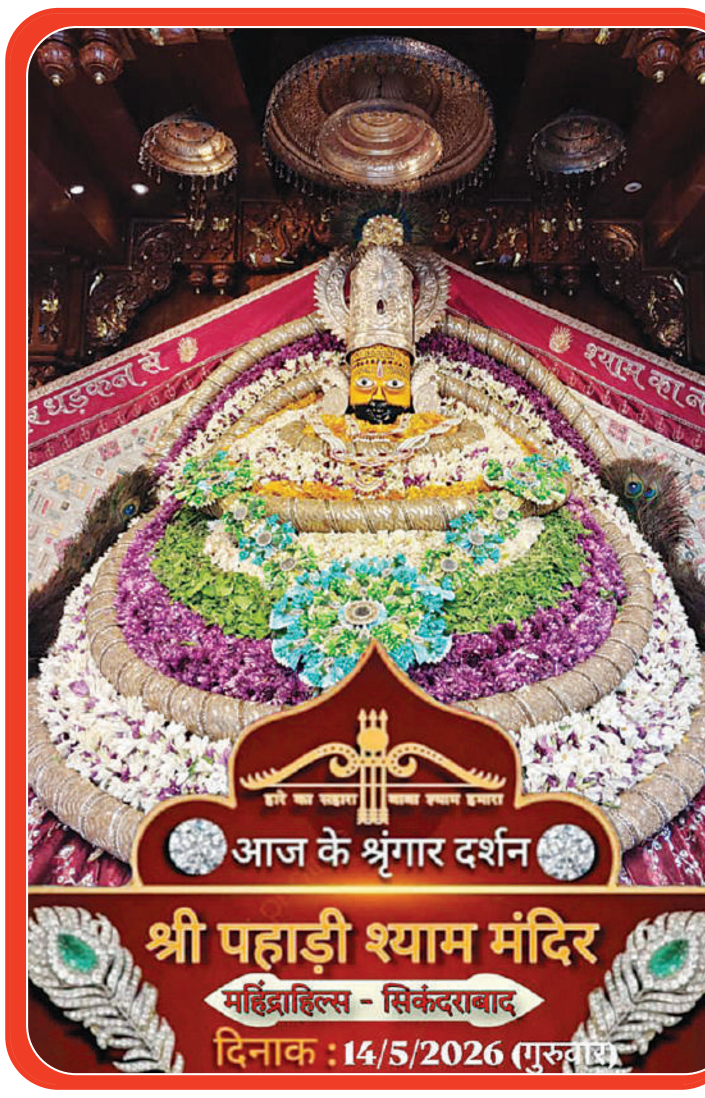

पहाड़ी श्याम मंदिर में भक्ति रस से सराबोर हुआ 'अर्जी सांवरिया से' भजन संध्या कार्यक्रम

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में एकादशी के पावन अवसर पर 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' द्वारा 'अर्जी सांवरिया से' भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जयपुर के प्रसिद्ध भजन गायक दीपक विश्नोलिया ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। भजन संध्या के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम का आनंद लिया।

कार्यक्रम में भजन गायक दीपक विश्नोलिया एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, पंकज सिंगला, अक्षय डाकोतिया, नागेश अग्रवाल तथा सुरेश अग्रवाल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' संस्था के विकास राठौड़, रमेश जैन, यश जैन, उदयराम, मोहित अग्रवाल, शेयांश, चिराग जैन, कृष्णकांत, अभिनव मंत्री, लालचंद सोनी, सौरव यादव, करण, सुभाष, नकुल, निखिल, विशाल, साईराम, अमित भंडारी सहित अनेक सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु भजनों पर झूमते नजर आए और श्याम बाबा के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। आयोजकों ने बताया कि एकादशी के अवसर पर इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा भावना से समाज में बढ़ रहा अपनत्व का भाव : शीतल गुप्ता

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवियों, व्यापारिक वर्ग के प्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर सेवा कार्यों में अपना योगदान दिया। पूरे वातावरण में मानव सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता की भावना देखने को मिली।कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को अन्न वितरण किया गया तथा सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शीतल गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति इस सेवा कार्यक्रम से जुड़ता है तो उसे घर जैसा अपनापन महसूस होता है। यही कारण है कि दिन-प्रतिदिन अधिक से अधिक लोग इस सेवा अभियान से जुड़ते जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को ऐसे संगठनों की आवश्यकता है, जो बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाएं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी भावना के साथ लगातार अन्नदान, सहयोग एवं सामाजिक सेवा के कार्य कर रहा है। संस्था का उद्देश्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के मन में सेवा और संवेद-नशीलता की भावना को जागृत करना भी है।

इस सेवा कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, रवींद्र शर्मा, नंद किशोर अग्रवाल, भगत राम गोयल, सुरेश सिंघल, सोहन लाल दायमा, गोपाल गोयल एवं महेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जरूरतमंद लोगों को अन्न वितरण किया।

इंजीनियरिंग अधिकारियों की लापरवाही!

सीमेंट रोड निर्माण बना स्थानीय लोगों के लिए मुसीबत

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर निगम के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों की मनमानी और लापरवाही स्थानीय निवासियों के लिए जी का जंजाल बन गई है। गौलीगुड़ा चमन स्थित सीबीएस कॉलोनी में चल रहा सीमेंट रोड का निर्माण कार्य नियमों को ताक पर रखकर किए जाने के कारण बस्तियों के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नियमों के अनुसार, सड़क निर्माण के दौरान एक तरफ का हिस्सा यातायात के लिए खुला छोड़ना चाहिए ताकि स्थानीय लोग अपनी आवाजाही जारी रख सकें।

जब एक हिस्सा सूख जाए, तब दूसरे हिस्से का काम शुरू करना होता है। लेकिन अधिकारियों ने इसके विपरीत, कॉलोनी में घरों के सामने दोनों तरफ एक साथ सीमेंट डाल दिया। सड़क पूरी तरह से गीली होने के कारण लोगों का घर से निकलना दूभर हो गया है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि बस्ती के निवासी लगभग तीन घंटे तक अपने घरों में ही कैद रहने को मजबूर हो गए। बाहर जाने का कोई रास्ता न होने के कारण स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है।

इस समस्या की जानकारी मिलने पर प्रजा एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास घटनास्थल पर पहुँचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि: जनता की सुविधा के लिए बनने वाली सड़क, अधिकारियों की दूरदर्शिता की कमी के कारण उनके लिए अभिशाप बन गई है।

लाखों रुपये खर्च कर किए जा रहे इन कार्यों की निगरानी के लिए इंजीनियरिंग विभाग का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं था।

स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि संबंधित उच्च अधिकारी इस लापरवाही पर ध्यान दें और जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान करें।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद द्वारा विभिन्न सेवा कार्य संपन्न

पार्क में बेंच स्थापना, कपड़े की थैलियों एवं कैप का वितरण

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद द्वारा गुरुवार को एक ही दिन में विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। इन सेवा कार्यों में पार्क में बेंच स्थापना, कपड़े की थैलियों का वितरण तथा धूप और प्रदूषण से बचाव के लिए विशेष कैप वितरण शामिल रहा। यह सेवा कार्य प्रातः 6 बजे से लेकर 10:30 बजे तक विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत बोलारम पार्क में सफलतापूर्वक बेंच स्थापित की गईं। इस परियोजना में अमूल्य सहयोग और अथक परिश्रम के लिए वीर अनिल कटारिया का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

परियोजना को सफल बनाने हेतु चेयरमैन वीर विनोद संचेती के समर्पित प्रयासों एवं निरंतर सहयोग की सराहना की गई। साथ ही आनंद स्वरूप धर्मेंद्र बोरा, कुशल आदित्य बरलोटा तथा सभी प्रायोजकों के प्रति भी संगठन ने आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद द्वारा सिकंदराबाद के कारखाना क्षेत्र स्थित ज़ीरो वेस्ट ईको स्टोर के निकट कैंटोनमेंट क्षेत्रों में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सड़क किनारे सफाई कार्य करने वाले कर्मचारियों को कपड़े की थैली मेरी सहेली अभियान के अंतर्गत 200 कपड़े की थैलियां तथा 350 कैप वितरित की गईं।

विशेष रूप से वितरित की गई कैप में सामने सुरक्षा कवच लगाया गया था, जिससे धूल एवं प्रदूषण से बचाव हो सके। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वीर पंकज संचेती द्वारा ईको-फ्रेंडली लकड़ी के टूथब्रश भी वितरित किए गए।

इसके पश्चात सेवा कार्य पिकेट, सदर बाजार और बोलारम क्षेत्रों में भी संचालित किया गया। इस अवसर पर आनंद स्वरूप धर्मेंद्र बोहरा का शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। संगठन ने कहा कि उन्होंने सदैव सेवा कार्यों में सहयोग और प्रायोजन प्रदान किया है।

कार्यक्रम में कैंटोनमेंट के सैनिटरी इंस्पेक्टर पुष्पेंद्र कुमार गुप्ता तथा महेंद्र सर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

कैप वितरण परियोजना में कानमल विनोद संचेती, गौतम-दीपा आंचलिया, कुशल आदित्य बरलोटा, दिलीप-लीना सेठिया, बसंत-कविता बाफना, संजय-शोभा कांकरिया, सुरेश-रेणुका चोरड़िया, प्रितेश-वंदना बोहरा, गोविंदजी, शांतिलाल बिंजराजका, अनिल-आशा कटारिया, भंवरलाल, राजेश, विशेष भंडारी तथा संपतराज विजय-वंदना गादिया परिवार सहित अनेक दानदाताओं का सहयोग रहा।इस सेवा कार्यक्रम में हैदराबाद चेयरमैन विनोद संचेती, वाइस चेयरमैन अजय नाहटा, सचिव कल्पना बरलोटा, कोषाध्यक्ष अनिल बोरा, दिलीप सेठिया, पंकज संचेती सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति और नेतृत्व में सेवा कार्य संपन्न हुए।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद का डीजीपी कार्यालय में शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान किया। समिति के अध्यक्ष राघव रेड्डी, मंत्री शशिधर, वाइस प्रेसिडेंट गोविंद नारायण राठी, एडवाइज़र करोड़ीमल नरसिंहपुरिया, महिपाल रेड्डी तथा आले भास्कर ने डीजीपी कार्यालय पहुंचकर सी. वी. आनंद का स्वागत किया। समिति की ओर से डीजीपी सी. वी. आनंद के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने ईंधन संरक्षण और नशा मुक्त तेलंगाना अभियान का आह्वान किया

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने गुरुवार को नागरिकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम आह्वान के अनुरूप ईंधन के संरक्षण और विदेशी मुद्रा को बचाने में सक्रिय रूप से योगदान देने की अपील की।

राज्यपाल ने लोक भवन से जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री ने सुरक्षा चिंताओं के बावजूद अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम करके एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद से उन्होंने भी वाहनों के उपयोग में कटौती की है और अब लोक भवन में वाहनों के उपयोग को 50 प्रतिशत तक कम करने का निर्देश दिया है। श्री शुक्ल ने अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट का उल्लेख करते हुये 'पेट्रो-डॉलर' पर निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने नागरिकों से भारतीय मुद्रा को बचाने के लिये जिम्मेदारी से कार्य करने का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि वह मुख्यमंत्री से मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों को विभागों में वाहनों के उपयोग को कम करने का निर्देश देने का अनुरोध करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने राजनीतिक नेताओं को अत्यधिक बड़े काफिलों से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, जिस तरह प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और रक्षा मंत्री ने एक उदाहरण पेश किया है, उसी तरह जन प्रतिनिधियों को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। तभी लोगों के बीच जागरूकता फैलेगी।

श्री शुक्ल ने नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई को तेज करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और राज्य में ''नशा मुक्त तेलंगाना'' अभियान शुरू करने का आह्वान किया। हिमाचल प्रदेश में अपने नशा विरोधी अभियान को याद करते हुये उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रवेश पत्रों में एक शपथ शामिल करें, जिसमें छात्र यह संकल्प लें कि वे नशीले पदार्थों से दूर रहेंगे और दूसरों को भी ऐसा करने के लिये प्रोत्साहित करेंगे। राज्यपाल ने मीडिया की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में नशा विरोधी अभियान मीडिया के मजबूत समर्थन से सफल रहा था और विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना में भी इसी तरह का सहयोग इस पहल को सफल बनाने में मदद करेगा।

युवाओं को करियर मार्गदर्शन देगी मोबाइल काउंसलिंग वैन

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया शुभारंभ

बीकानेर, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को निर्विकल्प फाउंडेशन द्वारा बीकाजी के सहयोग से संचालित करियर काउंसलिंग वैन का शुभारंभ किया। जिला उद्योग संघ सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि रोजगार के इच्छुक युवाओं को सही करियर चुनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना एक सराहनीय पहल है, जो युवाओं के भविष्य के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि निर्विकल्प फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सरोकारों के तहत बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि वैश्विक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बीकानेर में सोलर, सेरेमिक, पोटाश, इको टूरिज्म तथा नाइट टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं के अनुरूप युवाओं को मार्गदर्शन दिया जाए, जिससे और बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

उन्होंने कहा कि बीकाजी के सहयोग से संचालित होने वाली यह वैन स्वर्गीय शिवरतन अग्रवाल 'फन्ना बाबू' को समर्पित की गई है। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मेघवाल ने कहा कि फन्ना बाबू ने देश और दुनिया में बीकानेर को नई पहचान दिलाई तथा उनके नाम से समर्पित यह वैन युवाओं को आगे बढ़ने की राह दिखाएगी। उन्होंने बताया कि भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा भी हाल ही में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर बीकाजी के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल ने कहा कि बीकाजी द्वारा समय-समय पर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य किए जाते रहे हैं। निर्विकल्प फाउंडेशन के साथ प्रारंभ किया गया यह अभियान बच्चों को वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ने का मार्गदर्शन देगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में किसी भी प्रकार के संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी।

निर्विकल्प फाउंडेशन के फाउंडर डायरेक्टर एवं अभियान संयोजक डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली ने बताया कि इस वैन के माध्यम से जिले के 36 सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने आवश्यक सहयोग के लिए बीकाजी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर मनन श्रीमाली, प्रोजेक्ट काउंसलर लोचन पारीक तथा मीडिया कॉर्डिनेटर के रूप में केशव आचार्य कार्य करेंगे। इस दौरान उन्होंने करियर सेतु एप एवं फाउंडेशन द्वारा संचालित अन्य गतिविधियों की भी जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हरी झंडी दिखाकर करियर काउंसलिंग वैन को रवाना किया। किशोर सर ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया।

इस अवसर पर सीए सोहनलाल बैद, जिला उद्योग संघ अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया, डॉ. शरद आचार्य, कन्हैया लाल बोथरा, किशन मोदी, ऋतु मित्तल, अनुज मित्तल, मितेश खत्री, सुनील शर्मा, ज्योति, सोमेश स्वामी, भारत भूषण गर्ग, अशोक सुराणा, अरुण व्यास, राम भादानी, रणवीर सिंह, किशन प्रजापत, अशोक प्रजापत, डॉ. सीएन श्रीमाली, डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, मोहन सुराणा, पुखराज चोपड़ा, श्याम सुंदर सोनी, नरेश मित्तल, विमल चौरड़िया, पवन पचीसिया, ओपी मोदी, डॉ. मनोज गौड़, ज्योति दैया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सिंगारेनी अपने इतिहास में पहली बार महिला डंपर ऑपरेटर की करेगा भर्ती

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड ने अपने 130 साल से अधिक के इतिहास में पहली बार खुली खदानों में भारी डंपर और मशीनरी चलाने के लिए महिला ऑपरेटरों की भर्ती करने की तैयारी शुरू कर दी है। यह पहल तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के निर्देशों के बाद शुरू की गई है ताकि संगठन के अंदर चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में महिलाओं के लिए अधिक मौके बनाए जा सकें। सिंगारेनी अपनी खुली खदानों में अब और कोयला ले जाने के लिए 60 से 100 टन की क्षमता वाले भारी डंपर का इस्तेमाल करता है। लगभग पांच दशकों से इन गाड़ियों को केवल पुरुष ही चलाते रहे हैं क्योंकि यह काम शारीरिक रूप से बहुत मुश्किल होता है। गौरतलब है कि इस नियुक्ति के लिए 35 महिलाओं ने आवेदन किया है क्योंकि डंपर चलाने के लिए हैवी मोटर व्हीकल लाइसेंस की दरकार होती है, इसलिए कंपनी ने सिरसिला में तेलंगाना ड्राइविंग शिक्षा और कौशल संस्थान के माध्यम से नि:शुल्क विशेष प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की है।

अर्थव्यस्था को मजबूत करने के लिए जनभागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण: एन. रामचंद्र राव

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने गुरुवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जनभागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सप्त सूत्रों' पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राव ने नागरिकों से भारत के आर्थिक भविष्य को सुदृढ़ करने के लिए स्थानीय उत्पादों का समर्थन करने, ऊर्जा बचाने और घरेलू

निवेश को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। श्री राव ने कहा कि देशभक्ति का अर्थ दैनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ राष्ट्र की सेवा करना भी है। उन्होंने लोगों से निजी वाहनों के अनावश्यक उपयोग को कम करने और हैदराबाद में मेट्रो रेल तथा सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों का अधिक उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कारपूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से ईंधन बचाने में मदद मिलेगी। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हैं। उन्होंने ''वोकल फॉर लोकल'' पहल के तहत स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने का आह्वान किया। आर्थिक विशेषज्ञ कृष्ण रेड्डी ने बताया कि कैसे जिम्मेदार उपभोग, प्राकृतिक खेती, ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग और घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करने की प्रथाएं आर्थिक स्थिरता में योगदान दे सकती हैं।

भारत भारती द्वारा आगामी रविवार, 31 मई को नुमाईश मैदान में आयोजित किए जाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती समारोह एवं लोक डायरो कार्यक्रम के लिए विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं औद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर साध्वी कपिला सरस्वती, मनीषा शाह, महेंद्र सिग्नोडिया, जसराज श्रीश्रीमाल, नरेंद्र गोयल, जी. एल. नरसिंहा राव, प्रकाश आर्ट्स के प्रोजेक्ट हेड मलिकार्जुन राव तथा क्लासिक केमिकल के चेयरमैन सुनील चावड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों को कार्यक्रम में पधारने हेतु निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम के संयोजक जसमत पटेल, आले भास्कर राज, संजय घाननाते, स्वामीजी एवं अन्य पदाधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर अतिथियों को आमंत्रण पत्र सौंपे और कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी।

अग्रवाल समाज रानी सती दादी महिला शाखा घांसी बाजार द्वारा तेजस्विनी नगर, लवनोर नॉर्थ ईस्ट, अत्तापूर में जूस एवं फल सेवा की गई। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, सह-मंत्री सुशील केडिया, केंद्रीय समिति सदस्य कविता गोयल एवं चित्रा अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। इसके अतिरिक्त नेहा अतापूर, अर्चना, विनोद राजू सहित अन्य सदस्यों ने भी सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

त्रिनेत्र हनुमान मंदिर का वार्षिक रथोत्सव धूमधाम से संपन्न

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। चादरघाट स्थित लगभग 400 वर्ष प्राचीन खिड़की के त्रिनेत्र हनुमान जी मंदिर में आयोजित वार्षिक रथोत्सव इस वर्ष भी बड़े धूमधाम, भव्यता और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर से विशाल एवं आकर्षक रथोत्सव निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान हनुमान के जयकारे लगाए। रथयात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। रथोत्सव के दौरान भक्तों ने पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था तथा धार्मिक अनुष्ठानों के साथ आयोजन को पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न किया गया। कार्यक्रम में मुख्य पुजारी नंदकिशोर जोशी, राजेश जोशी, श्याम सुंदर जोशी, वेणुगोपाल बजाज, विकास मोदी, किशन गोयल, रामचंद्र लड़ा, आनंद सोनी, राजेश करवा (अत्तापूर) सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
SONAM MITTAL WOMEN WELFARE CHARITABLE TRUST SECUNDERABAD TELANGANA
श्रीमती सोनम मित्तल
के पुण्य स्मृति के अवसर पर
सोनम मित्तल वुमेन वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट, सिकन्दराबाद
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

दादा के संस्कारों से सेवा पथ पर बढ़े वंश और रचित अग्रवाल

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम इस बार सेवा, संस्कार और मानवता का अद्भुत संगम बनकर सामने आया। कार्यक्रम में उस समय भावुक और प्रेरणादायक वातावरण बन गया, जब नन्हे वंश अग्रवाल और रचित अग्रवाल अपने दादा जगत नारायण अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल के साथ सेवा कार्यों में पूरे उत्साह, आत्मीयता और समर्पण के साथ जुटे दिखाई दिए। बच्चों की मासूम मुस्कान और सेवा के प्रति उनका समर्पण कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। कार्यक्रम के दौरान दोनों बच्चों ने जरूरतमंद लोगों को भोजन के पैकेट वितरित करने में बढ़-चढ़कर भाग लिया। छोटे-छोटे हाथों से सेवा करते हुए उनके चेहरे पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दे रहा था। उपस्थित लोगों ने कहा कि आज के समय में जहां अधिकांश बच्चे आधुनिक तकनीक, मोबाइल और मनोरंजन के साधनों में अधिक व्यस्त रहते हैं, वहीं वंश अग्रवाल और रचित अग्रवाल का इस प्रकार समाज सेवा के कार्यों में भाग लेना परिवार के श्रेष्ठ संस्कारों और भारतीय संस्कृति की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करता है।

उपस्थित लोगों ने कहा कि वंश अग्रवाल और रचित अग्रवाल ने छोटी उम्र में जिस प्रकार सेवा कार्यों में सहभागिता निभाई है, वह आने वाले समय के लिए अत्यंत शुभ संकेत है। बच्चों के भीतर सेवा और संवेदनशीलता की यह भावना भविष्य में उन्हें एक जिम्मेदार, संस्कारवान और समाज के प्रति समर्पित नागरिक बनाएगी। लोगों ने कहा कि परिवार के बड़े जब स्वयं सेवा कार्यों में सक्रिय रहते हैं तो बच्चों पर उसका सकारात्मक प्रभाव स्वाभाविक रूप से पड़ता है और यही संस्कार पीढ़ी दर पीढ़ी समाज को मजबूत बनाते हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे संस्कार ही परिवार, समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं तथा यही मूल्य आने वाली पीढ़ियों को श्रेष्ठ दिशा प्रदान करते हैं।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
SONAM MITTAL WOMEN WELFARE CHARITABLE TRUST SECUNDERABAD TELANGANA
श्रीमती सोनम मित्तल
के पुण्य स्मृति के अवसर पर
सोनम मित्तल वुमेन वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट, सिकन्दराबाद
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
श्री शिव भगवान अग्रवाल
(सुपुत्र : स्व. श्री इन्दरचन्दजी-श्रीमती तारामणीदेवी अग्रवाल)
के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में
शिव शक्ति टी कॉर्पोरेशन
वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.